सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 04 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 16 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में भी केन्द्र के समान महंगाई भत्ता

सीएम साय ने दिया दीवाली गिफ्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के कर्मचारियों को दीपावली से पहले बड़ा गिफ्ट मिला है। सीएम विष्णुदेव साय ने कर्मचारियों का डीएम 4 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही कर्मचारियों का डीए अब 46 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत हो गया है। कर्मचारी संगठनों ने सरकार के इस निर्णय पर खुशी जाहिर की है और मुख्यमंत्री व वित्तमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है। अगले महीने नवंबर से खाते में तनख्वाह बढ़कर आएगी।

महत्वपूर्ण बात यह है कि कर्मचारियों को यह बढ़ा हुआ डीए अक्टूबर महीने से ही मिलेगा। आज कैबिनेट की बैठक में जाने से पहले सीएम साय ने कर्मचारियों के लिए यह बड़ी घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा है कि प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों के हित में दीपावली के पूर्व बड़ा निर्णय लेते हुए हमने उनके महंगाई भत्ता को 46 फीसद से बढ़ाकर 50 फीसद कर दिया है। हम सबको साथ लेकर सबका विकास करने की अपनी नीति पर अटल हैं। हमारे कर्मचारी परिवार को हार्दिक बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं।

मोदी की एक और गारंटी पूरी

विधानसभा चुनाव से वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के शासकीय कर्मचारियों को केन्द्र के समान महंगाई भत्ता देने का वायदा किया था। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार पीएम मोदी की गारंटियों को पूरा करने में जुट गई। लेकिन शासकीय कर्मचारी चुनावी घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के वायदे को पूरा करने की मांग करते रहे। डीए में वृद्धि नहीं होते देख कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री और मुख्य सचिव को 31 जुलाई को ज्ञापन भी सौंपा था। इसके बाद अगस्त में कर्मचारी संगठनों से वित्तमंत्री श्री चौधरी ने 1 जनवरी 2024 से डीए का आश्वासन दिया था। कर्मचारी संगठन इस बात को लेकर नाराज थे कि दशहरे तक इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया। इसी के चलते कर्मचारी संगठन एक बार फिर से सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में थे। इससे पहले ही सीएम साय ने डीए बढ़ोत्तरी की घोषणा कर दी।

कर्मचारियों में खुशी की लहर

प्रदेश सरकार के कर्मचारी लंबे समय से केंद्र के समान डीए करने की मांग कर रहे थे। ऐसे में सरकार ने दीपावली से पहले 4 प्रतिशत डीए बढ़ाकर उन्हें एक बड़ा तोहफा दिया है। सीएम साय द्वारा डीए बढ़ाए जाने की घोषणा के बाद कर्मचारियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। शासकीय कार्यालयों में आज कर्मचारियों ने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशियों का इजहार किया। कर्मचारी संगठनों ने भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। कर्मचारियों का कहना था कि उनकी लम्बे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। कर्मचारियों के डीए में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। पहले प्रदेश के कर्मचारियों को 46 प्रतिशत डीए दिया जाता था। अब उन्हें 50 प्रतिशत डीए मिलेगा। यानी की अब केंद्र के समान कर्मचारियों को डीए 50 प्रतिशत मिलेगा।

3.90 लाख को मिलेगा लाभ

साय सरकार के इस फैसले का उायदा राज्य के 3 लाख 90 हजार कर्मचारी तथा 1 लाख 20 हजार पेंशनरों को मिलेगा। राज्य के कर्मचारियों को सातवें वेतनमान में 04 प्रतिशत महंगाई भत्ते में बढ़ोत्तरी से कर्मचारियों और पेंशनरों को हर महीने 68 करोड़ रुपए तथा साल में 816 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त होगा। गौरतलब है कि कुछ समय पहले कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से भी मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान श्री चौधरी ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया था कि प्रदेश सरकार उनकी मांगों को लेकर गम्भीर है और इस बारे में जल्द ही कोई निर्णय लिया जाएगा। कर्मचारी संगठनों ने वायदा पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

होली से पहले भी हुई थी बढ़ोतरी

गौरतलब है कि इसी साल होली से पहले विष्णदेव सरकार ने कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी की थी। सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के डीए में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी, जिससे मंहगाई भत्ते और महंगाई राहत की दर 42 प्रतिशत से बढ़कर 46 प्रतिशत हो गई थी। इसका प्रदेश के 3 लाख 90 हजार कर्मचारियों के अलावा 1 लाख 20 हजार पेंशनर को भी लाभ मिला। अब एक बार फिर दीवाली त्यौहार से पहले 4 फीसदी डीए बढ़ाकर प्रदेश सरकार ने कर्मचारी हित में बड़ा फैसला किया है। 6 महीने के भीतर डीए में 8 फीसदी की हुई बढ़ोत्तरी से कर्मचारियों की भी बल्ले-बल्ले हो गई है।

खास-खबर

हरियाणा में फिर नायब सरकारः सर्वसम्मति से चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता, भव्य समारोह में लेंगे शपथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के नए सीएम नायब सैनी होंगे। पंचकूला स्थित भाजपा दफ्तर में भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया। भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव बैठक में मौजूद रहे। विधायक दल की बैठक में अनिल विज और कृष्ण बेदी ने सैनी का नाम रखा था। सैनी गुरुवार को पंचकूला में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

शाह ने कहा कि बैठक में एक ही प्रस्ताव मिला जो नायब सिंह सैनी के नाम का था। मैं उनका नाम घोषित करता हूं। नायब सैनी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। गृहमंत्री अमित शाह रात को चंडीगढ़ के ललित होटल में रुकेंगे। गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा राजभवन में मीटिंग लेंगे। भाजपा ने अपने सभी 48 विधायकों को अगले दो दिन चंडीगढ़ में ही रहने के निर्देश जारी किए हैं। होटल ललित और हरियाणा राजभवन सेक्टर-6 में काफी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है।

जम्मू-कश्मीर की नई सरकारः उमर मुख्यमंत्री, सुरिंदर चौधरी होंगे डिप्टी सीएम

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उमर के साथ सुरिंदर चौधरी, सतीश शर्मा, जावेद अहमद डार, सकीना इटू, जावेद राणा ने मंत्री पद की शपथ ली है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में अब्दुल्ला और उनके मंत्रियों को शपथ दिलाई।

मेंढर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक जावेद अहमद राणा, रफियाबाद से जावेद अहमद डार, डीएच पोरा से सकीना इट्टू और सुरिंदर कुमार चौधरी को भी एलजी सिन्हा ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई। सुरिंदर चौधरी डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। सुरिंदर चौधरी ने नौशेरा से भाजपा के रविंदर रैना को हराया है। छंब विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह दी गई।

बदलने जा रहा है मौसम का मिजाज मिलेगा उमस भरी गर्मी से छुटकारा

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत पूरे भारत से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई हो गई है और अब प्रदेश के मौसम में धीरे-धीरे बदलाव देखा जा रहा है। मंगलवार को मानसून की वापसी के बाद अब ठंडी हवाओं के आगमन की संभावना बढ़ गई है, जिससे आने वाले दिनों में तापमान में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 10 दिनों में प्रदेश के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट हो सकती है, जो प्रदेशवासियों के लिए ठंड का एहसास कराएगी। फिलहाल उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं, लेकिन सुबह के समय हल्की ठंडक का भी अनुभव हो रहा है। हालांकि, दिन में तेज धूप निकलने से गर्मी का असर बना हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, बीच-बीच में बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है, लेकिन बारिश की संभावना न के बराबर है। विभाग ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में आसमान साफ रहेगा, जिससे तापमान में और गिरावट हो सकती है। इस बदलाव से लोग थोड़ी राहत की उम्मीद कर रहे हैं, खासकर वे लोग जो लंबे समय से उमस और गर्मी का सामना कर रहे हैं। रात के तापमान में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है। पूर्वी-उत्तर पूर्वी हवाओं का भारत के दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्र में प्रवेश हो चुका है, जिससे प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और आकाशीय बिजली के साथ छींटे पड़ने की संभावना बनी हुई है। बुधवार को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। न्यूनतम तापमान में भी हल्की गिरावट देखी जा सकती है, लेकिन नमी की मात्रा बढ़ने के कारण रात का तापमान बढ़ने की संभावना भी बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को आसमान में केवल 30 फीसदी बादल छाए रहे, और हवा में नमी की मात्रा भी 10 फीसदी कम हो गई। इसका असर प्रदेश के तापमान पर पड़ा है, जिससे 1 से 2 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि यह गिरावट अभी मामूली है, लेकिन आने वाले दिनों में यह और बढ़ सकती है। प्रदेश में ठंडक बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। तापमान में यह गिरावट ठंडी हवाओं के आगमन और बादलों के छंटने के साथ और स्पष्ट हो जाएगी। आगामी दिनों में लोगों को सर्दियों की शुरुआत का आभास हो सकता है, जो ठंड के मौसम की ओर संकेत करता है।

जंगली सुअर मारने बिछाए करंट की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। एक बार फिर जंगली सुअर का शिकार करने बिछाए गए करंट की चपेट में बाइक सवार दो युवक आ गए और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। करंट बिछाने वाले आरोपितों की जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। पुलिस ने वन विभाग से जांच में सहयोग मांगा है।

बालको थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम बेला में 11 केवी बिजली की लाइन बिछी हुई है। इस बिजली लाइन से किसी ने कनेक्शन लेकर जंगली सुअर का शिकार करने के लिए सुअरनाला के पास जीआई तार खींचा था। करंट प्रवाहित तार को आम रास्ते से होते हुए बिछाया गया, इससे तार जमीन के काफी समीप था। बताया जा रहा है कि इस रास्ते से होते हुए ग्राम टापरा की ओर से दो युवक नारायण कंवर 35 वर्ष व टिकेश्वर राठिया 32 वर्ष ग्राम बेला आ रहे थे। तभी करंट प्रवाहित तार के संपर्क में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। करंट लगने की वजह से दोनों युवक की स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम में खलबली मच गई। सूचना पर पहुंची बालको पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ग्रामीणों ने बताया कि घटना स्थल तक चार पहिया वाहन से पहुंचना मुश्किल था, इसलिए दोनों युवक के शव को स्ट्रेचर में उठा कर लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चल एंबुलेंस तक पहुंचाया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपित के विरूद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है। पुलिस का कहना है कि तार बिछाने वाले आरोपित जल्द ही पकड़ लिए जाएंगे।

करीब 15 दिन पहले भी ग्राम गोढ़ी के समीप घटना हुई है। यहां शिकार करने के लिए कुछ युवकों ने 11 केवी विद्युत लाइन तार से जोड़ कर तार बिछाया था। इस करंट प्रभावित तार की चपेट में स्वयं युवक आ गया और उसकी स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी दूसरे दिन ग्रामीणों को मिली, तब पुलिस को सूचित किया। इस मामले में शामिल आरोपी अभी भी पुलिस के गिरफ्त में नहीं आ सके हैं। करंट प्रवाहित तार बिछा कर क्षेत्र में लंबे अरसे से जंगली जानवरों का शिकार किया जा रहा है। इसकी जानकारी वन विभाग के साथ ही पुलिस अमले को भी है, पर आरोपियों के नहीं पकड़े जाने की वजह से ऐसे लोगों के हौसले काफी बुलंद हैं।

भारतीय राजनीति और फ्रीबीज़

श्रीकंचनपथ

फ्रीबीज़ एक अंग्रेजी शब्द है। इसका अर्थ है मुफ्त में मिलने वाली वस्तु। किसी ग्राहक, स्टाफया पेशेवर की संस्था के प्रति निष्ठा को सम्मानित करने के लिए इसे दिया जाता है। इसलिए राजनीतिक दलों के साथ जुड़े रहने के लिए जब ऐसे उपहारों की घोषणा की जाती है तो उसे फ्रीबीज़ कहा जा सकता है। फ्रीबीज़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं। इसके साथ ही इस पर भी तर्क वितर्क शुरू हो गया है कि इसका आरंभ भारतीय राजनीति में कब हुआ। कहा जा रहा है कि इसकी शुरुआत 1954 में मद्रास में हो चुकी थी जब मुफ्त शिक्षा और स्कूली विद्यार्थियों के लिए मुफ्त भोजन की योजना शुरू की गई। आज यह योजना पूरे देश में लागू है। शिक्षा, भोजन और स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की इस कार्ययोजना को फ्रीबीज की संज्ञा नहीं दी जा सकती। यह शासन का दायित्व है। आर्थिक और सामाजिक समानता दूर की कौड़ी है जो शायद ही कभी संभव हो। लिहाजा समर्थ लोगों से प्राप्त करों से इस तरह की योजनाओं का संचालन जरूरी हो जाता है। यह शासन की गरीब-नवाजी है। सनातन में भी गरीब को दरिद्र नारायण की संज्ञा देते हुए उसकी सेवा को ईश्वर की सेवा माना गया है। इसीलिए स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकारों द्वारा की गई पहल को भी फ्रीबीज नहीं कहा जा सकता। जब दिल्ली में मुफ्त बिजली और पानी का वायदा कर आम आदमी पार्टी ने सरकार बना ली तो इसे पहली बार फ्री-बीज़ कहा गया। देश भर में इसके खिलाफएक माहौल भी बना। दिल्ली सरकार ने इसके साथ ही छात्राओं के लिए बसयात्रा को मुफ्त करने सहित शिक्षा के क्षेत्र में कई घोषणाएं कीं। इसके साथ ही कई अन्य राज्यों ने भी बिजली की न्यूनतम खपत को मुफ्त या रियायती कर दिया। कम आय वर्ग के लोगों के लिए ऐसी योजनाएं विकसित देशों में भी संचालित होती हैं। स्कूलों में मुफ्त भोजन का चलन अमेरिका में भी है। 1954 से लेकर 2024 के बीच गुजरे 70 सालों में देश के हालात काफी बदल चुके हैं। 70 साल पहले देश के हाथ खाली थे जबकि आज सरकारों के पास काफी पैसा है। इस बीच जरूरतें भी बदली हैं। पहले मुफ्त भोजन ही एक बड़ी राहत होती थी। वहीं मुफ्त चिकित्सा और सस्ता आवास आज की जरूरत है। इसके साथ ही एक जरूरत और आ खड़ी हुई है - इंटरनेट सेवाओं की। शिक्षा से लेकर सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए भी मोबाइल नम्बर और केवायसी जरूरी हो गया है। इसलिए जब गुजरात सरकार ने 4 हजार गांवों में फ्री वाईफाई सुविधा देने की बात की तो इसे भी जरूरी सेवा माना गया। पर जो अब हो रहा है, वह पहले कभी नहीं हुआ। जातिगत, सामाजिक और आर्थिक आधार के बाद अब लैंगिक आधार पर विभाजन हो रहा है। अस्पष्ट औचित्य के किसी को धन देना ही सही मायनों में फ्रीबीज़ है।

संपादकीय

अनुशासन की चिंता

कोई भी समाज संयम, सहिष्णुता और सद्भावना से ही सशक्त होता है। अगर कभी समाज इन लोकतांत्रिक भावनाओं के प्रतिकूल चलने लगता है, तो न केवल हिंसा की आशंका बढ़ जाती है, बल्कि समाज में भय का माहौल बन जाता है। वाकई संयम का ही अभाव था कि दिल्ली में सड़क पर रास्ता देने-न देने का एक मामला फिर जानलेवा हो गया। दशहरा मेले से लौट रहे दो भाइयों पर तीन अपराधियों ने ऐसे हमला बोल दिया कि एक भाई की मौत हो गई। क्या सड़क पर हुए इस विवाद को सद्भावना के साथ सुलझाया जा सकता था? क्या हम सड़क पर या समाज में संयम खोने लगे हैं? क्या हमारे मन में नाना प्रकार की कुंठाएं भरती चली जा रही हैं? क्या परस्पर ईर्ष्या ने हमें क्रोधी बना दिया है? एक बदलाव पर गौर करने की जरूरत है, पहले के दौर में अक्सर लोग कहते थे कि सहना सीखो, मिल-जुलकर रहना सीखो। गांधीजी के हवाले से भी अक्सर कहा जाता था कि कोई एक गाल पर थप्पड़ मारे, तो दूसरा आगे कर दो। अब जब शांति-अहिंसा के दर्शन को भुलाया जा रहा है, तब सड़क हो या समाज, लोग ईंट का जवाब पत्थर से देने को लालायित हैं।

> *“प्रतिमा विसर्जन के समय उत्तर प्रदेश के बहराइच में जो हुआ या झारखंड के गढ़वा में जो हुआ, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शायद हर समुदाय यह मानने लगा है कि पूरे समाज या देश को उसके हिसाब से चलना चाहिए, अगर देश या समाज उसके हिसाब से नहीं चलेगा, तो वे कानून हाथ में ले लेंगे। किसी शोभायात्रा पर पत्थर फेंकने की घटना सामान्य नहीं है, ध्यान दीजिए, नफरत के ये पत्थर कोई एक दिन में जमा नहीं हुए हैं।*

कई लोग बदला लेने या अपनी मनमानी चलाने के लिए भरे बैठे हैं, उन्हें कोई भी बार-बार याद नहीं दिला रहा है कि सद्भाव के साथ रहना ही समझदारी है। ऐसे लोग जगह-जगह हैं, तभी तो शोभायात्राओं पर जगह-जगह हमले हुए हैं। इसका एक दूसरा पहलू भी है, शोभायात्रा निकालने की अपनी शोभा है। शोभनीय ढंग से अगर ऐसा किया जाए, तो शायद ज्यादा समस्या नहीं होगी। उग्रता, हुड़दंग, अभद्र शोर, भड़काऊ नारेबाजी से क्या किसी यात्रा की शोभा बढ़ सकती है? हां, अगर कोई शोभनीय और आधिकारिक रूप से स्वीकार्य यात्रा पर आपत्ति करता है, तो यह किसी अपराध से कम नहीं है। धार्मिक आचरण की आदर्श स्थिति है कि आपके व्यवहार से किसी को तकलीफ न होने पाए। तकलीफ पहुंचाना अधर्म है।

वैसे, ईमानदारी से यह भी देखना चाहिए कि लोग संयम, सहिष्णुता त्यागकर आखिर क्यों कानून अपने हाथ में लेने लगे हैं? किसी यात्रा का अशोभनीय होना और किसी शोभा यात्रा को निशाना बनाया जाना, दोनों ही स्थितियों में कानून-व्यवस्था की कमी जिम्मेदार होती है। पुलिस को ऐसी शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। हर समुदाय में शासन-प्रशासन की मजबूत पकड़ होनी चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही है, तो इसका मतलब यह भी है कि वहां के जन-प्रतिनिधि भी समाज में पलते विवादों को सुलझाने में नाकाम हो रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में शांति बनाए रखना प्राथमिक रूप से पुलिस और जन-प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। सामाजिक, धार्मिक संगठनों को भी समाज में उग्रता बढ़ाने के काम करने के बजाय विनम्रता को खाद-पानी देना चाहिए। समाज में चहुंओर बढ़ते गुस्से का यही समाधान है।

भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केन्द्र

मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है। वर्धमान ग्रुप के 82 वर्षीय चेयरमैन के साथ हुई घटना ने भारत में बढ़ते साइबर अपराध की ओर ध्यान खींचा है। चेयरमैन एसपी ओसवाल के साथ लगभग 6.9 करोड़ रुपये की ठगी हुई। ठगों ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट की नकली ऑनलाइन सुनवाई में बुलाया और जेल भेजने की धमकी देकर उनसे यह रकम ट्रांसफर करवा ली। हालांकि हाल में डिजिटल और ऑनलाइन धोखाधड़ी के अनगिनत मामले सामने आए हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का नाटक कर ठगने की बात पहले कभी नहीं सुनी गई थी।

ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई में एक व्यक्ति प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ बन कर पेश हुआ। इसी दौरान उनसे कहा गया कि जांच के हिस्से के रूप में वे 6.9 करोड़ रुपये एक खाते में जमा करा दें। कुछ समय पहले भारत सरकार ने साइबर अपराधों के बारे में चेतावनी जारी की थी। गृह मंत्रालय ने कहा था कि संभव है ऐसी घटनाओं को सीमा पार स्थित आपराधिक गिरोह अंजाम दे रहे हों। एनसीआरबी के मुताबिक 2021 में भारत में साइबर अपराध के 52,974 मामले दर्ज हुए। 2022 में इनमें लगभग 24 फीसदी बढ़ोतरी हुई और कुल 65,893 मामले दर्ज हुए।

ब्रिटेन की ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग के शोधकर्ताओं ने इसी साल दुनिया का पहला साइबर क्राइम इंडेक्स जारी किया। उसमें भारत को खास जगह मिली। %मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स' शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है।

हालांकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराध की घटनाओं को विदेश से अंजाम दिए जाने का संदेह जताया है, लेकिन ऐसी मीडिया रिपोर्टें हैं, जिनके मुताबिक भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केंद्र बन गए हैं। छोटी-मोटी घटनाएं तो रोजमर्रा के स्तर पर हो रही हैं। असल मुद्दा यह है कि सरकार की साइबर अपराध निरोधक एजेंसियां इन्हें रोकने में कामयाब क्यों नहीं हुई हैं? अगर अपराध का जाल फैला रहेगा, तो कभी-कभार वैसी वारदात भी होना लाजिमी है, जिसके शिकार ओसवाल बने हैं।

नजरिया

शिक्षा की मजबूत बुनियाद पर खड़ा होगा विकसित भारत

अगर हम आज यह लेख पढ़ पा रहे हैं, तो हमें अपनी स्कूली शिक्षा के शुरुआती पांच वर्षों का आभार मानना चाहिए। स्कूल के पहले दिन को याद करें- घबराहट, अनजाना माहौल, माता-पिता से आंसुओं के साथ विदा होना...

अनिता करवाल, पूर्व सचिव, स्कूल शिक्षा, भारत

साथ ही, एक नए दौर की प्रत्याशा। किसने सोचा था कि इन्हीं पांच वर्षों में जो हमने पढ़ना, लिखना और अंकगणित सीखा, उसी के कारण हमें सफलता मिलेगी। बुनियादी शिक्षा का सशक्त होना सबसे जरूरी है। इसी दिशा में दूरदर्शी सुधार है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जिसने साक्षरता व संख्यात्मकता को पूरी शिक्षा प्रणाली की नींव के रूप में स्थापित किया है। इस नीति के कारण निपुण भारत अभियान का जन्म हुआ, जिसका उद्देश्य 2027 तक हरेक बच्चे को तीसरी कक्षा से पहले निपुण बनाना है। इस अभियान ने राज्यों में शिक्षण से जुड़े लोगों को सशक्त बनाते हुए व्यवस्था में बदलाव के चार मुख्य सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

पहला सिद्धांत है, पूरी व्यवस्था को एक स्पष्ट लक्ष्य की ओर ले जाना। उस लक्ष्य को पाने के लिए इस सिद्धांत की शुरुआत शिक्षण मूल्यांकन से होती है, ताकि यह समझा जा सके कि हमारे बच्चों की शिक्षा किस स्तर पर है। जुलाई 2021 में निपुण भारत मिशन के शुभारंभ के तुरंत बाद नवंबर 2021 में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण हुआ। बुनियादी शिक्षा की तात्कालिकता को देखते हुए मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने 2022 में राज्य स्तर पर एक शिक्षा सर्वेक्षण आयोजित किया, जिसमें प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के वर्तमान शिक्षा स्तर का मूल्यांकन किया गया। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर मध्य प्रदेश ने अपने निपुण लक्ष्य निर्धारित किए। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन प्रेरणा की शुरुआत की और निपुण उत्तर प्रदेश का समर्थन किया। इससे पूरी व्यवस्था को नई ऊर्जा मिली।

दूसरा सिद्धांत है शिक्षण पद्धतियों को बेहतर बनाना। इस लक्ष्य को पाने के लिए अध्यापकों के पेशेवर विकास पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसे दिशा-निर्देशों की पालना हुई, जिनसे कक्षाओं को अधिक आनंदमय व आकर्षक बनाया जा सके। शिक्षकों को प्रभावी रूप से प्रशिक्षित करने के लिए संसाधनों, प्रशिक्षक पैकेजों और विशेषज्ञता के साथ मास्टर प्रशिक्षकों को सशक्त बनाना जरूरी है।

तेलंगाना की अगर बात करें, तो इस मॉडल के चलते सिर्फ एक वर्ष में शिक्षण प्रभावशीलता में उल्लेखनीय 67 प्रतिशत सुधार हुआ है। ऐसे शिक्षा-प्रौद्योगिकी समाधान बन सकते हैं, जो शिक्षकों को कम समय में अधिक हासिल करने में मदद कर सकते हैं। शिक्षकों का कीमती समय बचा सकते हैं। गौर कीजिए, राजस्थान में एआई ग्रेडिंग सॉफ्टवेयर ने ग्रेडिंग के समय को दो घंटे से घटाकर केवल 20 सेकंड कर दिया है। तीसरा, नियमित रूप से मूल्यांकन का उपयोग करके छात्रों के सीखने के नतीजों में सुधार करना। मिसाल के लिए, उत्तर प्रदेश में निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से 1,05,000 शिक्षकों को छात्रों के नियमित मूल्यांकन में मदद मिल रही है। अंतिम सिद्धांत है, छात्रों के माता-पिता और समुदायों को उनके बच्चों की शिक्षण यात्रा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना। बच्चे अपना 80 प्रतिशत समय घर पर बिताते हैं। ग्राम सभा और अभिभावक-शिक्षक सभा जैसे मौजूदा प्लेटफॉर्मों का उपयोग करने के अलावा, माता-पिता के साथ द्विभाषी संचार, उनके प्रशिक्षण के लिए कार्यशालाएं, घर के दौरे और सहकर्मी सहायता जैसे उपायों के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। बिहार के कुछ जिलों में ग्राम सभाओं का लाभ उठाकर माता-पिता को उनके बच्चों की शिक्षा में मदद देने के तरीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया है। इसके चलते अभिभावक-शिक्षक बैठक में माता-पिता की उपस्थिति में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति में 5-10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। ध्यान रहे, हमारे पास सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा के इन चार लक्ष्यों को पूरा करने के लिए केवल छह वर्ष हैं। आज पूरा विश्व भारत को वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मान रहा है। हमें अपनी बुनियादी शिक्षा को उत्कृष्ट बनाना ही होगा, तभी हमारे बच्चे विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंच पाएंगे।

भारत का कार्बन बाजार: उत्सर्जन से निपटने और हरित प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए नई रूपरेखा

अशोक कुमार, डीडीजी बीईई

सौरभ दिद्दी, निदेशक बीईई

अतीक मतीन शेख, जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ, बीईई

भारत ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने और अपने महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, दो आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) के भविष्य को आकार देंगे। ये अनुपालन व्यवस्था के लिए विस्तृत प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों के लिए मान्यता प्रक्रिया और पात्रता मानदंड हैं। आशा है कि वे मिलकर कार्बन उत्सर्जन की मात्रा निर्धारित करने और कार्बन क्रेडिट के व्यापार को सुविधाजनक बनाने के भारत के प्रयासों को उत्प्रेरित करेंगे, जिससे देश अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को अपनाएगा।

भारत की जलवायु रणनीति, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में उल्लिखित है। भारत ने न केवल इसे पूरा किया है बल्कि अपने कई लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले ही पूरा कर लिया है। वर्ष 2016 में हस्ताक्षरित, पेरिस समझौते का उद्देश्य सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना था। भारत ने शुरू में वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33-35 प्रतिशत तक कम करने का वादा किया था। हालाँकि, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए इस लक्ष्य को समय से पहले ही प्राप्त कर लिया। अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए, 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी-26) में, भारत ने और भी अधिक आक्रामक लक्ष्य निर्धारित किए। इसने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने, वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और उसी समय सीमा के भीतर गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी 50 प्रतिशत बिजली उत्पन्न करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इनमें से कुछ प्रमुख उपलब्धियां तय समय से पहले ही हासिल करके, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयास में नेतृत्व का प्रदर्शन किया है।

लेकिन हम वहां कैसे पहुंचे? यहीं पर भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) आता है। विचार सरल है: यदि कोई कंपनी अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करती है, तो वह कार्बन क्रेडिट नामक कुछ अर्जित करती है, जिसे वह अन्य कंपनियों को बेच सकती है जो अपने उत्सर्जन को कम करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह एक पुरस्कार प्रणाली की तरह है - जो कंपनियाँ पर्यावरण के लिए बेहतर काम करती हैं वे पैसा कमा सकती हैं, जबकि जिन्हें सुधार के लिए अधिक समय की आवश्यकता है वे अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीद सकती हैं।

भारतीय कार्बन बाजार को एक व्यापक और पारदर्शी प्रणाली की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास को गति देते हुए डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा दे सके। भारतीय कार्बन बाजार, उत्सर्जन मूल्य निर्धारण पर बल देने के साथ, इस संतुलन को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करता है। कंपनियों को कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने की अनुमति देकर, भारत का लक्ष्य सार्वजनिक और निजी दोनों हितधारकों को अपने कार्बन उत्सर्जन को सक्रिय रूप से कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे देश को लागत प्रभावी और बडे पैमाने पर डीकार्बोनाइज करने में सक्षम बनाया जा सके।

भारतीय कार्बन बाजार ढांचे का निर्माण

भारतीय कार्बन बाजार की नींव वर्ष 2022 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 में संशोधन के साथ रखी गई थी, जिसने सरकार को कार्बन क्रेडिट व्यापार योजना (सीसीटीएस) स्थापित करने का अधिकार दिया। यह योजना भारत को वैश्विक कार्बन बाजार प्रथाओं के साथ जोड़कर कार्बन व्यापार को संचालित करने के लिए आवश्यक नियामक संरचना प्रदान करती है। सीसीटीएस, जून 2023 में पेश किया गया और दिसंबर 2023 में और संशोधित किया गया, जो दो प्रमुख व्यवस्थाओं: अनुपालन और ऑफसेट के माध्यम से कार्बन व्यापार के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करता है।

अनुपालन व्यवस्था उन उद्योगों और क्षेत्रों को लक्षित करता है जिन्हें बाध्य संस्थाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन संस्थाओं को सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्ट ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता (जीईआई) लक्ष्यों को पूरा करना आवश्यक है। यदि कोई बाध्य इकाई अपने उत्सर्जन को निर्धारित लक्ष्य से कम कर देती है, तो उसे कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिसका ट्रेडिंग एक्सचेंज पर कारोबार किया जा सकता है। इसके विपरीत, जो संस्थाएँ अपने लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहती हैं, उन्हें अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीदना होगा। यह बाज़ार-संचालित व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि कंपनियों को उत्सर्जन में कटौती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, जिससे यह भारत के लिए अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए एक आवश्यक उपकरण बन सके।

ऑफसेट व्यवस्था गैर-बाध्यकृत संस्थाओं को कार्बन बाजार में स्वेच्छा से भाग लेने की अनुमति देकर अनुपालन प्रणाली को पूरक करता है। ये संस्थाएं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं या उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से पहल शामिल हो सकती हैं, कार्बन क्रेडिट के लिए अपनी गतिविधियों को पंजीकृत कर सकती हैं। समग्र उत्सर्जन में कमी में योगदान देकर, इन परियोजनाओं को कार्बन क्रेडिट से सम्मानित किया जाता है जिसका व्यापार किया जा सकता है। इससे भारत के कार्बन बाजार में प्रतिभागियों के एक व्यापक नेटवर्क को प्रोत्साहन मिलता है।

अनुपालन और सत्यापन का समर्थन करने के लिए नए दिशानिर्देश

अनुपालन व्यवस्था की विस्तृत प्रक्रिया बताती है कि कार्बन बाजार प्रणाली कैसे काम करती है। यह कंपनियों को दिखाता है कि वे अपने उत्सर्जन स्तर की कैसे निगरानी और रिपोर्ट कर सकते हैं और यदि वे अपने उत्सर्जन-कटौती लक्ष्यों को पूरा करते हैं या पूरा करते हैं तो वे कार्बन क्रेडिट कैसे अर्जित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई सीमेंट कंपनी अपने उत्सर्जन को आवश्यकता से अधिक कम कर देती है, तो वह अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकती है। ये क्रेडिट उन बिंदुओं की तरह हैं जिन्हें कंपनी किसी अन्य व्यवसाय, संभवत: इस्पात कारखाने को बेच सकती है, जिसके लिए उत्सर्जन कम करना कठिन हो रहा है। इस तरह, जिन व्यवसायों को उत्सर्जन में कटौती के लिए अधिक समय की आवश्यकता है, वे अब भी बेहतर प्रदर्शन करने वालों से क्रेडिट खरीदकर अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं।

अनुपालन व्यवस्था की यह विस्तृत प्रक्रिया, अनुपालन प्रक्रिया के लिए कैसे काम करेगी, इसके लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। यह दस्तावेज उन सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और समय-सीमाओं की रूपरेखा तैयार करता है जिनका हितधारकों को अपने उत्सर्जन कटौती दायित्वों को पूरा करने के लिए पालन करना चाहिए। इसमें यह मार्गदर्शन शामिल है कि संस्थाओं को अपने ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन की निगरानी, रिपोर्ट और सत्यापन कैसे करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रणाली पारदर्शी और जवाबदेह है।

दूसरा दिशानिर्देश, जिसे प्रत्यायन प्रक्रिया कहा जाता है, यह सुनिश्चित करता है कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है या नहीं, और इसकी जांच करने वाली कंपनियां भरोसेमंद और सक्षम हैं। यह सत्यापित करने के लिए कि क्या व्यवसाय ईमानदारी से अपने उत्सर्जन स्तर की रिपोर्ट कर रहे हैं, इसके लिए मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियां ??(एसीवी) तीसरे पक्ष के संगठन होंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई उद्योग अधिक ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी या नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्सर्जन को कम करने का दावा करता है, तो एसीवी किसी भी कार्बन क्रेडिट देने से पहले संख्याओं की दोबारा जांच करेगा। यह ऐसे लेखा परीक्षक होने जैसा है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सटीक और निष्पक्ष हो। यह सुनिश्चित करता है कि प्रणाली पारदर्शी है, और हम भरोसा कर सकते हैं कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है, न कि केवल कागज पर।

यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि यह प्रणाली व्यवहार में कैसी दिख सकती है, आइए कुछ वास्तविक दुनिया के उदाहरणों पर विचार करें: भारत में एक बड़ी इस्पात कंपनी को वर्ष के अंत तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 10 प्रतिशत तक कम करना होगा। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए, कंपनी अपनी मशीनरी को अधिक ऊर्जा-दक्ष बनाने के लिए अपग्रेड करती है, जिससे उसका कार्बन उत्सर्जन 15 प्रतिशत कम हो जाता है। इन उत्सर्जन की जाँच और सत्यापन मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों द्वारा किया जाता है। अतिरिक्त 5 प्रतिशत कटौती से कंपनी को कार्बन क्रेडिट मिलता है जिसे वह सीमेंट निर्माता जैसी किसी अन्य कंपनी को बेच सकती है, जो अपने उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। इस तरह, दोनों कंपनियों को लाभ होता है जबकि भारत का समग्र उत्सर्जन कम हो जाता है।

भारतीय कार्बन बाज़ार के लिए भविष्य में आगे क्या होगा?

भारतीय कार्बन बाजार का संचालन अब भी शुरुआती चरण में है, लेकिन जमीनी कार्य तेजी से आकार ले रहा है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), जो आईसीएम के प्रशासक के रूप में कार्य करता है, वर्तमान में अनुपालन व्यवस्था में भाग लेने वाले उद्योगों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट उत्सर्जन लक्ष्यों को अंतिम रूप दे रहा है। ये लक्ष्य भारत के एनडीसी के अनुरूप उत्सर्जन में कटौती हासिल करने की दिशा में कंपनियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण होंगे।

साथ ही, बीईई एक आईसीएम पोर्टल विकसित करने पर भी काम कर रहा है, जो एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है और यह कार्बन क्रेडिट के सुचारू व्यापार को सक्षम करेगा। यह आईटी अवसंरचना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी कि कार्बन बाजार कुशलतापूर्वक चले और लेनदेन सभी प्रतिभागियों के लिए पारदर्शी और सुलभ हो। इसके अतिरिक्त, बीईई कार्बन क्रेडिट के व्यापार को नियंत्रित करने वाले नियमों को विकसित करने के लिए केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के साथ सहयोग कर रहा है, जिससे भारत के कार्बन बाजार के ढांचे को और मजबूत किया जा सके।

भारतीय कार्बन बाजार एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करने के लिए तैयार है, जिससे पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ होगा। व्यवसायों को अपने उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रेरित करने और सफल होने वालों को पुरस्कृत करके, बाजार हरित प्रौद्योगिकियों की ओर बदलाव में तेज़ी लाता है। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि कंपनियां अपने जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों की दिशा में अधिक लागत प्रभावी तरीके से काम कर सकें। समय के साथ, जैसे-जैसे अधिक उद्योग भाग लेंगे, कार्बन बाजार व्यवसायों को कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने की अनुमति देकर कार्बन उत्सर्जन में कटौती की लागत को कम करने में सहायता करेगा। यह व्यापार उन कंपनियों को सक्षम बनाता है जिन्हें अपने उत्सर्जन को कम करना चुनौतीपूर्ण या महंगा लगता है, ताकि वे पहले से ही स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने में अग्रणी लोगों से क्रेडिट खरीद सकें।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुत्तरश ने कार्बन बाजारों के महत्व पर बल देते हुए कहा, हमें कार्बन उत्सर्जन अंतर को कम करने की आवश्यकता है और कार्बन बाजार उस रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकते हैं, जो स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं में निवेश को प्रोत्साहन दे सकते हैं। यह रेखांकित करता है कि कार्बन बाजार व्यवसायों और व्यक्तियों को उनके संचालन और प्रथाओं में सार्थक परिवर्तन में योगदान करने के लिए कैसे सशक्त बनाता है।

एक बाज़ार बनाने से जहां कार्बन क्रेडिट का व्यापार किया जा सकता है, व्यवसायों के लिए हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने की लागत अधिक प्रबंधनीय हो जाती है। प्रत्येक कंपनी स्थायी परिचालन में परिवर्तन का पूरा खर्च वहन करने के बजाय, प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए धीरे-धीरे बदलाव ला सकती है। भारतीय कार्बन बाजार एक परिवर्तनकारी अवसर प्रस्तुत करता है, जिसमें वर्ष 2030 तक 15 अरब डॉलर का बाजार बनने की क्षमता है। इससे नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकियों और कम कार्बन नवाचारों में महत्वपूर्ण निवेश होगा। कार्बन डाइ ऑक्साइड के तीसरे सबसे बड़े उत्सर्जक के रूप में, भारत का कार्बन बाजार वैश्विक उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे देश को वर्ष 2070 तक अपने महत्वाकांक्षी शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। यह दृष्टिकोण न केवल अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में भारत की यात्रा को तेज करता है बल्कि व्यवसाय डीकार्बोनाइजेशन के वित्तीय बोझ को कम करने में सहायता भी करता है। अंततः, भारतीय कार्बन बाज़ार भविष्य के लिए एक स्थायी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ समाधान का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे धरती और अर्थव्यवस्था, दोनों को लाभ होता है।

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरूद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

सितंबर माह में साबरमती फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट ने 260 मीटर लंबी वेल्डेड रेल पैनल का बनाया नया रिकॉर्ड

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के साबरमती स्थित फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट ने सितंबर 2024 में 260 मीटर लंबी वेल्डेड रेल पैनलों की 323 नग तैयार कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड दर्ज किया है, जो नवंबर 2023 में साबरमती प्लांट से वेल्डेड रेल पैनलों की पहली रेक भेजे जाने के बाद से किसी भी महीने के लिए अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। वर्तमान वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल से सितंबर अवधि के दौरान सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के साबरमती स्थित फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट से अब तक 260 मीटर लंबी वेल्डेड रेल पैनलों की 23 रेक भारतीय रेलवे को भेजी जा चुकी हैं। इसमें सितंबर 2024 को भेजी गई 260 मीटर लंबी वेल्डेड रेल पैनल की चार रेक शामिल हैं। अब तक साबरमती स्थित एफबीडब्ल्यूपी से भारतीय रेलवे को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की कुल 35 रेक भेजी जा चुकी हैं, जिनमें वित्तीय वर्ष 2023-24 में भेजी गई 12 रेक शामिल हैं। साबरमती के एफबीडब्ल्यूपी में वेल्डिंग हेतु इनपुट रेल की आपूर्ति भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल द्वारा 26 मीटर लंबाई में की जा रही है। साबरमती में एफबीडब्ल्यूपी के उपयोग से भारतीय रेलवे को 260 मीटर लंबी रेल आपूर्ति बढ़ाने में सेल-बीएसपी को मदद मिली है। उल्लेखनीय है कि साबरमती स्थित एफबीडब्ल्यूपी को वेल्डिंग ज्वाइंट्स की फेज़्ड ऐरे अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग (पीएयूटी) सुविधा से लैस किया गया है। इस आधुनिक तकनीक का उपयोग वेल्ड ज्वाइंट्स में संभावित त्रुटियों का पता लगाने एवं इमेज के रूप में दर्शाने के लिए किया जाता है।

टैक्स बकायादारों के खिलाफ निगम ने लिया सख्त कदम

दुर्ग। राजस्व विभाग ने तकिया पारा में 2009 से जलकर टैक्स नही जमा करने पर 3 नल कनेक्शन कांटे गए।मंगलवार को सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर द्वारा निरीक्षण कार्यवाही करने योगेश सूरे,जलकार्य निरीक्षक राजू चन्द्राकर,सहायक राजस्व निरीक्षक लवकुश शर्मा के साथ कार्यवाही करने तकिया पारा वार्ड 8 पहुँचे। नगर निगम द्वारा नल कनेक्शन काटने अभियान और भी तेज कर दिया है। कार्यवाही के दौरान अमले के साथ जलकर वसूली को लेकर करदाताओं से जल कर टैक्स देने की बात कही जा रही है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा सभी उप राजस्व निरीक्षक सहायक राजस्व निरीक्षको द्वारा डोर टू डोर वसूली अभियान में डयूटी लगाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।राजस्व अधिकारी,सहायक राजस्व अधिकारी सहित उप राजस्व निरीक्षक सहायक राजस्व निरीक्षको द्वारा पूरी ईमानदारी के साथ दिनभर बकायादारों के घर-घर पहुच रही है। निगम को लंबे समय से बकाया संपत्ति व जलकर नहीं पटाने वाले करदाताओं से टैक्स वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है।निगम अमला सभी बकायादारों के घर पहुँच रहे है। इस दौरान बकाया जलकर नहीं पटाने वाले कुछ करदाताओं के घर का नल कनेक्शन भी काटा गया।ऐसे में निगम का राजस्व अमला टैक्स वसूलने इन बकायादारों के घर पहुंच रही है।राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोईर ने बताया कि कई बकादारों ने सालों से जलकर टैक्स का भुगतान नहीं किया है। भुगतान नहीं करने वाले पहले टैक्स देने की नोटिस के साथ अपील किया जाता है करदाताओं द्वारा टैक्स देने से इनकार व नोटिस को दरकिनार किये जाने पर तुरंत नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही किया जा रहा है।

भिलाई निगम मद के दुरूपयोग का मामला लेखाधिकारी जितेन्द्र ठाकुर का तबादला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई मद के दुरुपयोग के मामले में लेखाधिकारी जितेन्द्र कुमार ठाकुर का स्थानांतरण कर दिया गया है। लेखाधिकारी ठाकुर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अतिरिक्त परियोजना क्रियान्वयन इकाई बेमेतरा स्थानांतरित किए गए हैं। जबकि मुख्यमंत्री ग्राम एवं सड़क विकास योजना ग्रामीण दुर्ग लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू को नगर निगम भिलाई लेखाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

विधायक रिकेश ने लिखा था पत्र

बता दें पंद्रह दिन पहले नगर पालिक निगम में सड़क मरम्मत सहित कुछ ऐसे काम का भुगतान निगम मद से कर दिया गया जो कि तत्कालीन आयुक्त की भी जानकारी में नहीं था।

जब निगम कर्मचारियों के वेतन सहित अन्य आवश्यक भुगतान को लेकर निगम मद में फंड नहीं बचा तब वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के संज्ञान में यह प्रकरण सामने आया है और उन्होंने तत्काल कमिश्नर से बात कर गंभीर भ्रष्टाचार की आशंकावश मामले की जानकारी वित्त मंत्री ओपी चौधरी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिख दी थी। विधायक रिकेश पत्र पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सम्पूर्ण मामले को संज्ञान में लेकर राज्य सरकार ने यह कार्रवाई की है। विधायक रिकेश सेन ने बताया था कि निगम के कुछ अधिकारी और जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से निगम मद का दुरूपयोग हुआ है जिसकी तत्काल जांच कर दोषी लोगों पर कार्रवाई की मांग भी उन्होंने की है। विधायक रिकेश ने प्रारंभिक जांच में आशंका जताई थी कि लगभग 65 लाख का हिसाब गड़बड़ किया गया और निगम मद से भुगतान भी हो गया। इस मामले में निगम के लेखाधिकारी भी संदेह के दायरे में हैं। इस देखते हुए उन्होंने उचित कार्रवाई के लिए सीएम साय व वित्तमंत्री ओपी चौधरी को पत्र लिखा था।

कूटरचना कर भुगतान किए जाने का संदेह

गौरतलब है कि यदि तत्कालीन कमिश्नर को भी निगम मद के ऐसे दुरूपयोग की जानकारी नहीं है तो आशंका यह भी है कि आयुक्त के फर्जी हस्ताक्षर और कूटरचना से ऐसे कार्य के भुगतान के लिए निगम मद का दुरूपयोग हुआ हो। फिलहाल इस तरह के कुल 65 लाख के भुगतान सूचीबद्ध किए गए हैं जिनकी जांच होनी आवश्यक है। विधायक सेन ने कहा कि जल्द ही ऐसे कार्य को अंजाम देने वाले अधिकारियों की कारस्तानी का खुलासा होगा।

आयुक्त की जानकारी के बिना हो गया था भुगतान

आपको बता दें कि नगर निगम भिलाई में तत्कालीन आयुक्त की बगैर जानकारी निगम मद से सड़क मरम्मत सहित कुछ ऐसे काम का भुगतान कर दिया गया, जिससे निगम कर्मचारियों के वेतन सहित अन्य आवश्यक भुगतान को लेकर निगम मद में फंड नहीं बचा था। इस तरह की शिकायत मिलने पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कुछ सूचीबद्ध कार्यों के संबंध में जब तत्कालीन कमिश्नर देवेश कुमार ध्रुव से फोन पर जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि ये सभी कार्य न तो उनके संज्ञान में हैं और न ही उन्होंने ऐसे किसी कार्य को लेकर आदेश जारी किया है। विधायक रिकेश ने कहा कि निगम मद से 25 लाख सड़क मरम्मत, 14 लाख पेयजल आदि कुछ ऐसे कार्य हैं जिनके लिए कुछ लोगों की मिलीभगत से निगम मद का दुरूपयोग किया गया है। विधायक रिकेश ने तत्काल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिख निगम मद बजट से ऐसे कार्यों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का ब्लास्ट फर्नेस-7 विस्तृत कैपिटल रिपेयर के बाद पुनः स्टोव हीटिंग प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण कार्यक्रम की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, ब्लास्ट फर्नेस- 7 के स्टोव 2 की हीटिंग का कार्य, इस विस्तृत कैपिटल रिपेयर के बाद 15 अक्टूबर 2024 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता द्वारा मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रोसेनजीत दास एवं ब्लास्ट फर्नेस, आरईडी, पीएलईएम सहित विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मियों की उपस्थिति में स्टोव 2 के पुन: प्रज्ज्वलन के साथ ही स्टोव हीटिंग की

प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिससे इसके फर्नेस उत्पादन में शामिल होने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है।

इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन से हॉट ब्लास्ट तापमान में वृद्धि होने की उम्मीद है, जो डीकार्बोनाइजेशन उद्देश्यों की दिशा में महत्वपूर्ण रूप से सहायक होगा। कैपिटल रिपेयर के के तहत, स्टोव की पूरी रिफ्रैक्टरी रीलाइनिंग की गई, जिसमें क्षतिग्रस्त रिफ्रैक्टरीज को भी हटाया गया था।

तापस दासगुप्ता ने बीएफ बिरादरी और रिपेयर में शामिल एजेंसियों को बधाई दी। विस्तृत कैपिटल रिपेयर के लिए बंद किए जाने के बाद, अब प्लांट में ब्लास्ट फर्नेस-7 अपनी विस्तृत रिपेयर गतिविधि के पूरा होने के करीब है। 2024-25 वार्षिक व्यवसाय योजना के लिए हॉट मेटल के उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने हेतु ब्लास्ट फर्नेस जल्द ही फिर से परिचालन में आने के लिए तैयार है।

राष्ट्रिय हरित प्राधिकरण द्वारा पटाखों के उपयोग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

भिलाई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल, प्रिसिंपल बेंच नई दिल्ली द्वारा पटाखे के उपयोग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। प्राप्त दिशा निर्देशानुसार राज्य में केवल हरित पटाखो का विक्रय एवं उपयोग किया जाना है। दिपावली, छठ, गुरू पर्व तथा नववर्ष/क्रिसमस पर पटाखे फोड़े जाने की अवधिक 2 घंटे निर्धारित की गई है। निगम भिलाई क्षेत्र में पटाखे बेचने वाले दुकानदारों को आदेश का पालन करने निर्देश दिया गया है। दुकानदारो को हरित पटाखा बेचने एवं नागरिको को वही पटाखे ही खरीदने के आदेश दिया गया है। जिसके तहत सभी त्यौहार में 2 घंटे ही पटाखे जलाने के निर्देश दिये गये है। जिससे पटाखे जलाते एवं फोड़ते समय निकलने वाले घुओ से पर्यावरण को हानी न पहुंचे। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में दीपावली पर्व पर रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक, छठ पूजा में प्रात: 6 बजे से 8 बजे तक, गुरू पर्व पर रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक, नया वर्ष/क्रिसमस पर रात्रि 11:55 से 12:30 बजे तक ही पटाखे फोड़ने का समय निर्धारित किया गया है। कम प्रदूषण उत्पन्न करने वाले इम्प्रूव्ड एवं हरित पटाखा की बिक्री केवल लाईसेन्स ट्रेडर्स द्वारा किया जाना है।

कबाड़ से हो रहा है अच्छा जुगाड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में शासन की महत्वकांक्षी योजनाओ में से एक वेस्ट से बेस्ट यानी जिन चिजो को हम बेकार समझकर फेंक देते है उससे भी अच्छे आकर्षक कलाकृतियां बनाई जा सकती है। इसी को साधारण भासा में कबाड़ से जुगाड कहा जा रहा है। नगर निगम भिलाई के विभिन्न गार्डनो में अनुपयोगी सामानो को लेकर उपयोगी कार्य किया गया है। खाली पड़े पुराने टायर, कुर्सी, सामग्री आदि को मिलाकर उसी को आकर्षक रूप देकर कहीं कुर्सी बनाया गया, झुला बनाया गया, सजावट का सामान बनाया गया। जो आज आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

आयुक्त बजरंग दुबे ने स्वयं पहल

की, गार्डन में काम कर रहे कर्मचारियो, स्व-सहायता समूह की महिलाओं को इसके लिए प्रेरित किये है। इसमें उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू भी बड़चड़कर हिस्सा ले रहे है। आयुक्त का कहना है कि जो सामान हमारे लिए अनुपयोगी था उसी को आज पेंट करके, उसमे कुछ जोड़कर अच्छा सुन्दर आकर्षक दिखने वाला सामग्री बन गया है। सब कुछ किया गया है निगम के ही कर्मचारियो द्वारा। बस सकारात्मक पहल की जरूरत होती है।

दीनबन्धु भगवान राम से वृद्धों की सेवा की प्रेरणा लें: डॉ. शर्मा

पुलगांव वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ दशहरा मनाया, कपड़े और सहारे के लिए बांटी छड़ियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। असत्य पर सत्य की विजय और अत्याचारियों के सत्यानाश अलावा वृद्धजनों की सेवा की प्रेरणा भी भगवान् श्री राम के जीवन से मिलती है। उन्होंने ऋषियों, मुनियों और वृद्धजनों के पास पहुंच कर उनको सुख पहुंचाया। साधन हीन लोगों के कुछ कष्ट तो हम उनकी प्रेरणा से दूर कर सकते हैं।

ये विचार हैं भारतीय पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा प्रकोष्ठ दुर्ग सम्भागीय प्रभारी डॉ.महेशचन्द्र शर्मा के। आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने पुलगांव दुर्ग के

वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के साथ दशहरा मनाया। उनका मुंह मीठा कराया, वस्त्र के साथ वृद्धों को चलने सहायक छड़ियां भी वितरित कीं। उन्होंने सभी वृद्धों का अभिवादन किया, उनसे संवाद कर सुख-दुख पूछने के बाद उक्त बातें कहीं।

धर्म, संस्कृति और साहित्य लेखन हेतु देश-विदेश के अनेक सफल दौरे कर चुके आचार्य डॉ.महेशचन्द्र शर्मा ने बताया कि वृद्धजनों की सेवा से हमारी आयु, विद्या यश और बल बढ़ते हैं। चूंकि साहित्य समाज का दर्पण है इसलिये लेखन में समाज की ये बातें आनी चाहियें। अत: बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार आवश्यक है। आश्रम के प्रबन्धक दीपक चापिरा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

सेल एथलेटिक्स अकादमी पुनः प्रारंभ, प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड सेल की विभिन्न इकाइयों में अलग-अलग सेल अकादमी का संचालन किया जाता है। जिसके अंतर्गत सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र, सेल एथलेटिक्स अकादमी का संचालन करती है। बीएसपी में सेल एथलेटिक्स अकादमी वर्ष 2003 से प्रारम्भ की गई थी, लेकिन कोरोनाकाल के दौरान इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था, जिसे सेल के गाइडलाइन्स के अनुसार पुन: प्रारंभ किया जा रहा है।

सत् 2024 से 2027 के लिये सेल एथलेटिक्स अकादमी में प्रवेश हेतु दिनांक 23 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2024 तक चयन स्पर्धा आयोजित की जा रही है। यह चयन स्पर्धा दौड, जम्प और थ्रो के विभिन्न श्रेणियों के लिए आयोजित की जा रही है।

इसके लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 18 अक्टूबर 2024 है। यह

चयन स्पर्धा, अकादमी परिसर बोकारो हॉस्टल, सेक्टर-4, भिलाई में आयोजित की जायेगी। चयन स्पर्धा हेतु खिलाड़ियों को दिनांक 22 अक्टूबर 2024 को प्रात: 09 बजे से शाम 05 बजे तक एथलेटिक्स अकादमी परिसर, बोकारो हॉस्टल, सेक्टर-4, भिलाई में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना अनिवार्य है। यह चयन स्पर्धा केवल बालक वर्ग हेतु 20 रिक्तियों हेतु आयोजित की जा रही है। चयन स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाडीयों की आयु 14 से 17 वर्ष के मध्य होनी चाहिये (जन्म तिथि 25.10.2010 से 26.10.2007 के मध्य) वाले खिलाड़ी ही इस चयन स्वर्धा में भाग लेने हेतु पात्र होंगे।

अकादमी में प्रवेश हेतु खिलाड़ियों को बैटरी टेस्ट, इवेंट्स टैस्ट व चिकित्सीय परीक्षण में अपनी योग्यता साबित करनी होगी तथा खिलाड़ियों का चयन चिकित्सीय परिक्षण एज वेरिफिकेशन के पश्चात ही प्रविण्यता के आधार पर होगा। चयन स्पर्धा में प्रवेश हेतु जन्म प्रमाण पत्र, कक्षा पांचवीं, आठवीं, दसवीं की अंक सूची, खेल उपलब्धियों का प्रमाण पत्र, 4 पासपोर्ट साईज कलर फोटो ग्राफ, आधार कार्ड एवं अन्य प्रमाण पत्र दस्तावेज की मूल प्रति तथा राजपत्रित अधिकारी से प्रमाणित छायाप्रति लाना अनिवार्य है। दस्तावेज के मूल प्रति के अभाव में चयन स्पर्धा में भाग लेने नहीं दिया जायेगा।

इस संदर्भ में अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु इच्छुक प्रतिभागी, (प्रशिक्षक-एन.आई.एस) अनिरुद्ध सेल एथलेटिक्स अकादमी बोकारो हॉस्टल, बोरिया मार्केट के पास, सेक्टर-4, भिलाई, दुर्ग, पिनकोड 490001 में या मो. नं 9926116160 पर संपर्क कर सकते हैं।

चयन स्पर्धा में भाग लेने बाहर से आये प्रतिभागियों एवं उनके पालक या प्रशिक्षक को केवल आवास की सुविधा प्रदान की जायेगी। साथ ही एवं चयनित खिलाड़ियों को (द्वितीय श्रेणी न्यूनतम दूरी का) बस किरायाध् शयनयान रेल किराया, जो गृह नगर से भिलाई आने-जाने सहित एक तरफके टिकट की मूल प्रति प्रस्तुत करने पर भुगतान किया जायेगा तथा भिलाई में नि:शुल्क भोजन एवं आवास व्यवस्था की सुविधाऐं प्रदान की जायेगी।

बैटरी टेस्ट सिरीज एवं इवेन्ट टेस्ट: सेल एथलेटिक्स अकादमी का बैटरी टेस्ट सिरीज -2024 हेतु, स्टेन्डिंग ब्रॉड जम्प-2.40 सेमी, 30 मी स्प्रिंट (दौड)-4.00 सेकंड, 6 ग 10 मी शटल रन (दौड)-14.00 सेकंड, वर्टीकल जम्प-50 सेमी, क्रिकेट बाल थ्रो-60 मी, 800 मी रन(दौड)-2:08.00 सेकंड से कम का न्यूनतम योग्यता (क्वालिफाइंग) मापदंड निर्धारित किया गया है। जबकि इवेन्ट टेस्ट के लिए, दौड में 100 मी, 200 मी, 400 मी, 800 मी, 1500 मी, 2000 मी, 5000 मी, 5000 मी वॉक, हर्डल्स, जम्प में लंबी कूद (लांग जम्प) तथा थ्रो में डिस्कस, शॉट पुट, हेमर व जेवलिन थ्रो शामिल है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

तेरह भाषाओं में अनुदित संक्षिप्त वाल्मीकीय रामायण (कथा सार) का हुआ विमोचन

रायपुर। रामायण प्रसार-परिशोध प्रतिष्ठान, अम्बाला शहर द्वारा वाल्मीकि रामायण का गद्य में संक्षिप्त कथा सार प्रकाशित किया गया है। मूल रूप से हिन्दी एवं अंग्रेजी में अनुवादित इस कथा सार के आधार पर संस्थान द्वारा देश एवं विदेश की अनेकों भाषाओं में इसका अनुवाद करवाया जा रहा है।

नारायणी साहित्यिक संस्थान की डॉ. मृणालिका ओझा ने बताया कि हिन्दी, अंग्रेजी के अतिरिक्त हरियाणवी, डोगरी, नेपाली, छत्तीसगढ़ी, सिन्धी, असमिया, रवांल्टी, ब्रज, स्पैनिश, मराठी एवं तेलुगू भाषा में किये गए अनुवाद का विमोचन सोमवार सुबह राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदरदास जी महाराजश्री के करकमलों से श्री दूधाधारी मठ में हुए संपन्न हुआ। राजेश्री महंत ने इस कार्य की प्रशंसा करते हुए अनुवाद को थोड़ा और विस्तारित करने का भी सुझाव दिया। इस अवसर पर राजेंद्र ओझा, नितिन कुमार झा, ह्रषिक, रौशनी, रवि शर्मा, ट्रस्टी विजय पाली, रमेश यदु आदि उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया दशहरा पर्व

रायपुर। सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्यौहार दशहरा को पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया। विजयदशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक व प्राचीन रावणभाठा मैदान में दशानन, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले का दहन किया गया। इसके पूर्व यहां अखाड़े का प्रदर्शन, पतंगबाजी, रामलीला का मंचन किया गया। तत्पश्चात रावण दहन कर यहां जोरदार आतिशबाजी की गई।

ऑल इंडिया प्रिंट साउथ 2024 का आयोजन 8 नवंबर से

रायपुर। ऑल इंडिया प्रिंट साउथ 2024 का आयोजन 8, 9 एवं 11 नवंबर को हाईटेक एक्जीबिशन सेंटर हैदराबाद में आयोजित किया जा रहा है। उक्त आयोजन प्रिंटिंग व्यवसाय में नवीनतम टेक्नालॉजी की जानकारी हेतु तेलंगाना आफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता को छत्तीसगढ़ प्रिंटिंग प्रेस एसोसिएशन के अध्यक्ष शिवशंकर दानी सचिव सुजीत चौरसिया एवं जनसंपर्क अधिकारी कीरत सलूजा ने संयुक्त रूप से दी। पत्रकारवार्ता में तेलंगाना प्रिंटिंग एसोसिशन के अध्यक्ष दयाशंकर रेड्डी ने बताया कि एक ही छत के नीचे छत्तीसगढ़ के प्रिंटिंग व्यापारियों को नई टेक्नालाजी से परिचित कराने के लिए उक्त आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों से जनसामान्य यहां आते हैं, उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित करना है। जनदर्शन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के दर्जनों आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याएं बारी-बारी सुनी। आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए कहा।

जनदर्शन में अभनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चण्डी निवासी श्रीमती राजकुमारी कंडरा ने अपने घर के पास से गुजरे हाईटेंशन तार को हटवाने का आवेदन दिया था। जिस पर कलेक्टर ने विद्युत विभाग को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसी तरह मठपारा निवासी श्रीमती निशा यादव ने पीएम आवास के लिए एक साल पहले आवेदन किया था, लेकिन अभी तक आवंटन नहीं होने का आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर डॉ सिंह ने संबंधित विभाग को इस बारे में जानकारी लेने की बात कही। इसी प्रकार ग्राम तेंदुआ

निवासी श्रीमती कुंती बाई ने शिकायत के बाद भी पुलिस विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं करने को लेकर आवेदन दिया। चौबे कालोनी निवासी श्री तुषार कुमार ने ठेका कंपनी द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के नौकरी से हटाने, बांसटाल निवासी श्रीमती चंद्रकला यादव ने अपने पति का नया दाखिल खारिज जारी करने, महावीर नगर निवासी आसर बबडानी ने आधार कार्ड बनाने के लिए आवेदन सौंपा। इसी तरह जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने, नक्शा बटांकन, ऑनलाईन रिकार्ड दुरूस्त करने, आर्थिक सहायता, नजूल भूमि का पट्टा बनाने, राशन कार्ड बनवाने, विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभ दिलाने जैसे आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित आवेदन प्रदान कर प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पंचायत विभाग के कर्मचारियों के साथ कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने किया ब्रेकफास्ट

मैदानी स्तर के कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्टर विथ ब्रेकफास्ट में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन शामिल हुए। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत विभाग के कर्मचारियों की सरहाना की और मैदानी स्तर के कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारियों को बेहतर से बेहतर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव क्षेत्र के मुख्य मार्गों में मवेशियों के सड़कों पर बैठने की वजह से दुर्घटना होते है। ऐसे में उन पर नियंत्रण करने के लिए कारगर कदम उठाए जाएं। जिससे सड़कों की दुर्घटना न हो। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सभी कर्मचारियों से उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली और उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा। कलेक्टर डॉ.

सिंह ने कहा कि हमेशा कर्मचारियों को सर्वश्रेष्ठ कार्य करना चाहिए। हर कर्मचारियों को ऐसा कार्य करना चाहिए, जिससे दूसरों के लिए वे प्रेरणा बने। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण का कार्य किया जाए। नलों से व्यर्थ बहने वाले पानी को बचाने के लिए सोखता पीट बनाया जाएं। जिससे जल का संरक्षण हो। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि बच्चों एवं युवाओं को नशे की लत से दूर किया जाएं। कलेक्टर ने सभी मैदानी कर्मचारियों से उनकी समस्याएं सुनी और बेहतर कार्य करने के लिए सुझाव भी मांगे। कलेक्टर विथ ब्रेकफ़ास्ट में पंचायत विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सचिव, रोजगार सहायक समेत स्व सहायता से जुड़ी महिलाएं एवं ड्रोन दीदी शामिल हुई। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

12 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बने "कॉप ऑफ द मंथ"

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. संतोष सिंह ने पुलिसिंग में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए हर महीने "कॉप ऑफ द मंथ" पुरस्कार देने की नई पहल की है। इसके तहत सितंबर 2024 में विभिन्न थाना क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया।

इस महीने उपनिरीक्षक धीरेंद्र बंजारे और आरक्षक आनद देव शर्मा को एनडीपीएस एक्ट के तहत 6 आरोपियों और 1 नाइजीरियन को चरस और पिस्टल के साथ गिरफ्तार करने तथा 1 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) ईश्वर वर्मा को विभागीय जांच जल्दी पूरी करने के लिए, सउनि भोला चंद्राकर को सिविल लाइन थाना में वारंटों की तामिली और लूट के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए, प्र.आर. जागेश्वर साहू और प्र.आर. कृपाशंकर सरोज को यातायात बीट और गणेशोत्सव के दौरान प्रशंसनीय कार्य के लिए पुरस्कार दिया गया।

महिला प्र.आर. अनिता चौहान को मर्ग के मामलों का शीघ्र निपटारा करने के लिए, आरक्षक महिपाल सिंह ठाकुर और आरक्षक आलम बेग को लूट और नकबजनी के मामलों में अंतरराज्यीय आरोपियों की गिरफ्तारी में योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, आरक्षक परदेसी राम कटारे को एनडीपीएस के आरोपियों की गिरफ्तारी और आरक्षक गौतम मरावी को ऑनलाइन फ्रॉड में पीड़ित की रकम वापस दिलाने के लिए सराहा गया।

आरक्षक आलोक बंछोर और आरक्षक राजेश वर्मा को एक परिवार की जान बचाने में उनके साहसिक प्रयास के लिए, और आरक्षक निहालीराम साहू को चोरी की 15 दोपहिया वाहनों की बरामदगी में सफलता के लिए सम्मानित किया गया। आरक्षक शिवराज बघेल ने गणेश उत्सव के दौरान दर्जनों चाकूबाजों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर सभी चुने गए पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र, नगद पुरस्कार और गुड सर्विस एंट्री प्रदान की गई। उनका फोटो पूरे माह के लिए पुलिस थानों और चौकियों के नोटिस बोर्ड पर लगाया जाएगा, जिससे अन्य पुलिसकर्मियों को भी बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

एसएसपी डॉ. संतोष सिंह ने कहा कि जनता से अच्छा व्यवहार और जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को हमेशा सम्मानित किया जाएगा, ताकि पुलिसिंग में और अधिक सकारात्मक बदलाव आए।

नई कार्यकारिणी का गठन

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया युवा विंग छत्तीसगढ़ इकाई ने आगामी सत्र के लिए अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने युवा विंग प्रदेश अध्यक्ष सीए रवि ग्वालानी की टीम की घोषणा की गई जो अपनी नेतृत्व क्षमता से संगठन को और शक्तिशाली बनाएगी। इस अवसर पर सीए रवि ग्वलानी ने कहा, मैं पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी पाकर गौरव महसूस कर रहा हूं हमारी टीम आने वाले समय में सिंधी काउंसिल की युवा पीढ़ी के उत्थान के लिए और भी ऊर्जावान और रचनात्मक कार्य करेंगे।

नव-घोषित कार्यकारिणी में राज्य अध्यक्षः सीए रवि ग्वालानी। महासचिवः गौतम रेलवानी। कोषाध्यक्षः नरेश पंजवानी। सह-कोषाध्यक्षः डॉ. निखिल मोतिरमानी। यूथ मेंटरः सुनील वाधवा। उपाध्यक्षः आशीष वासवानी संदीप थौरानी, विनय नागदेव, अमित जगवानी, सनी कुकरेजा, मनीष थारानी, जय केशवानी, जय कुमार रेलवानी, गौरव पंजवानी, धीरज जसवानी। राज्य सचिवः अविनाश खेतपाल, सुरेश वासवानी, भिष्म नारायण हब्लानी, अमित मंधान, रितेश रंगलानी, दिनेश तरवानी, राजकुमार मनवानी, विकेश डोडई, गोविंद सचकपूर, जीतेंद्र मंगतानी। मीडिया : रोशन आहूजा। मीडिया (सोशल): बाबू खेमानी। मीडिया (प्रेस और अन्य): जतिन नचरानी। विशेष आमंत्रित सदस्य : विक्रम मंधान, मनीष राजपाल, विक्रम तलरेजा, मुकेश मोटवानी, हिमांशु माखीजा, गौरव सिहानी, विजय झाम्बिया, मोहित विद्धानी (मोंटी), निखिल जयसिंघ स्टीयरिंग समितिः विक्रम ठाकुर, नीरज मनवानी, सौरभ मंधान, शुभम पृथवानी, मोहित रंगलानी, जय अमरानी, विशाल नानवानी, शुभम पंजवानी, पुलकित नंजयानी, तरुण माखीजा, निखिल जगवानी, पंकज इसरानी, रुपेंद्र माधवानी, सुरज जसवानी, हर्षित धर्मानी। सिंधी काउंसिल ऑफइंडिया युवा विंग छत्तीसगढ़ ने हमेशा से ही सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाई है। आगामी सत्र में भी टीम का उद्देश्य सिंधी संस्कृति, भाषा और परंपराओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करना रहेगा। साथ ही, युवा वर्ग के लिए विभिन्न कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

जलाने के बाद भी रावण मरा नहीं है हमारे अन्दर जिंदा है - ब्रह्माकुमार भगवान भाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हम सभी हर साल दशहरा में रावण का बुत बनाकर उसे जलाते है। इसका मतलब है कि वह मरता नहीं है। बल्कि रावण का पुतला हर साल बड़ा होता जा रहा है। दशहरा में रावण का पुतला तो जल जाता है लेकिन असली रावण हमारे अन्दर जिन्दा है। वास्तव में मनोविकार ही वह रावण है जो कि प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, नफ़रत, घृणा, द्वेष, वैर आदि रावण के दस सिर हैं। जब तक इन दसों मनोविकारों पर जीत नहीं पायेंगे तब तक असली विजयादशमी नहीं मना सकेंगे। यह विचार माउण्ट आबू से पधारे ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने व्यक्त किया। वह प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शांति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा संस्कार परिवर्तन विषय पर बोल रहे थे। वह भारत और नेपाल के 11000 (ग्यारह हजार) से अधिक स्कूलों और 900 (नौ सौ)से अधिक कारागारों (जेलों) में नैतिक मूल्यों की शिक्षा दे चुके हैं जिसके फ़लस्वरूप उनका नाम इंडिया बुक ऑफरिकार्ड्स में दर्ज है।

उन्होंने कहा कि सभी विकारों का मुखिया है देहभान जब तक हम स्वयं को आत्मा निश्चय कर परमात्मा से योग नहीं लगाते तब तक इन मनोविकारों पर जीत पाना संभव नही है। वर्तमान समय परमपिता परमात्मा सहज राजयोग और अध्यात्मिक ज्ञान द्वारा इन मनोविकारों पर जीत पाने की शिक्षा ब्रह्माकुमारी बहनों के माध्यम से दे रहे है। अपनी कमजोरियों पर जीत हासिल करना ही मानव मन में बसे रावण की नकारात्मक प्रवृत्तियों को खत्म करने का एकमात्र तरीका है। उन्होंने बतलाया कि जब हम काम, क्रोध व मोह को खत्म कर पाएंगे, तब ही दशानन का खात्मा होगा। इन बुराइयों पर विजय हासिल करके ही असली दशहरा मना सकेंगे। उन्होंने बतलाया कि आज मनुष्य काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, आलस्य, भय, लापरवाही, घृणा और ईर्ष्या जैसी बुराइयों का गुलाम हो गया है। ये सभी दसों बुराइयां रिश्तों में कलह और दुनिया में हिंसा का कारण बन रही हैं। उन्होंने बतलाया कि रावण आज हर एक मानव के अंदर विराजित है। जब हम अपने अंदर के रामत्व अर्थात अच्छाइयों को जागृत करेंगे तो ही हम उन मनोविकारों पर विजय प्राप्त कर पाएंगे?

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी किरन दीदी ने बीके भगवान भाई का परिचय दिया। प्रारम्भ में ब्रह्माकुमारी अदिति और स्मृति दीदी ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने विकारों पर जीत पाने के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया और बतलाया कि मेडिटेशन से हमारी कर्मेन्द्रियाँ संयमित होती हैं जिससे हम तनाव मुक्त और विकार मुक्त बन सकते है।

जीवन में तरक्की के साथ-साथ प्रकृति से जुड़ के रहना जरूरीः सोनमणि बोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव व जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने छात्रावास-आश्रम व पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए। प्रभारी सचिव बोरा ने निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में तरक्की के साथ-साथ प्रकृति से जुड़ के रहना जरूरी है। प्रकृति से जुड़े रहने से मन शांत और एकाग्र रहता है।

जिले के प्रभारी सचिव ने कहा कि छात्रों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिले और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने छात्रावासों में बिजली, पानी और अन्य जरूरी संसाधनों की पर्याप्त आपूर्ति के लिए भी विशेष ध्यान देने संबंधितों को निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने छात्रावासों की व्यवस्था, स्वच्छता और छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। बोरा ने छात्रावास में रहने वाले छात्रों से भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों को नियमित योगाभ्यास करने कहा।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए जिले के प्रभारी सचिव बोरा ने कहा कि अपने विषय की तैयारी लक्ष्य

बनाकर करें। इससे संबंधित विषय को लेकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने जिले में चलाये जा रहें उत्कृष्ट जांजगीर-चांपा अभियान को लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों से चर्चा की और बोलेगा बचपन, पढ़ाई का कोना अभियान की सराहना भी की। उन्होंने बारहवीं के विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा में लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने से आप सफ़लता की ओर बढ़ सकते हैं। इसके लिए आपको लक्ष्य बनाने से आपको मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा कि आपके पास अभी जो समय है उसका सही तरीके से उपयोग करें। लक्ष्य बनाकर मेहनत करते हुए आगे बढ़ने से सफ़लता प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन के लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। बच्चों ने अपने हाथों से बनायें ग्रीटिंग भी जिले के प्रभारी सचिव बोरा को भेंट किये, जिन्हे देखकर उन्होंने बच्चों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने जाति प्रमाण पत्र का वितरण भी किया।

प्रमुख सचिव बोरा ने राहौद के शासकीय नवीन प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास का निरीक्षण कर छात्रवास के बच्चों से खेल कूद मनोरंजन एवं पढ़ाई से संबंधित सवाल जवाब किये। उन्होंने एसडीएम तहसीलदार को समय-समय पर छात्रावास का निरीक्षण करने तथा बच्चों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास में बागवानी एवं फ़ल-सब्जी भी लगाने कहा। इस मौके पर कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी उपस्थित थे।

सुरभि ज्योति के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा सिजलिंग और हॉट अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो बेहद ही शानदार लुक में नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ज्योतिन ने व्हाइट कलर का टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही कातिलाना लुक में नजर आ रही हैं।

सुरभि ज्योति सोशल मीडिया लवर हैं। वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

पुष्पा-2 की रिलीज डेट में एक बार फिर बड़ा बदलाव

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'पुष्पा-2' के रिलीज होने का सभी को बेसर्बी से इंतजार है। ये फिल्म साल 2024 में पहले 15 अगस्त को आने वाली थी, लेकिन शूटिंग पूरी नहीं होने के चलते 6 दिसंबर को होने वाली थी। वहीं, अब एक बार फिर रिलीज डेट को लेकर अपडेट सामने आया है। लेकिन, इस बार फैंस निराश नहीं होंगे, बल्कि खुशी से झूम उठेंगे।

6 दिसंबर को रिलीज नहीं होगी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डायरेक्टर सुकुमार ने 'पुष्पा 2 द रूल' की रिलीज डेट में एक बार फिर से बदलाव किया है। जहां पहले 'पुष्पा 2 द रूल' बॉक्स ऑफिस पर साल के आखिरी महीने यानी 6 दिसंबर को दस्तक देने वाली थी तो वहीं, अब कहा जा रहा है कि ये फिल्म एक दिन पहले यानी 5 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी। फिलहाल ये सिर्फ अटकलें ही हैं या इसमें कोई सच्चाई है इसके बारे में डायरेक्टर सुकुमार या पुष्पा 2 की टीम ने अभी तक किसी चीज की कंफर्मेशन नहीं दिया है। जिस वजह से यही माना जा रहा है कि फिल्म 6 दिसंबर को ही रिलीज होगी।

'पुष्पा 2 द रूल' बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'छावा' से भिड़ंत करने वाली थी। मीडिया रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि मेकर्स 'पुष्पा-2' का स्पेशल प्रीमियर करने का प्लान भी कर रहे हैं, जो मुंबई में 4 दिसंबर को रात 9:30 बजे हो सकता है। बता दें कि, अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंधाना की साल 2021 में आई फिल्म 'पुष्पा: द राइज का 'पुष्पा 2 द रूल' दूसरा पार्ट है। फिल्म पुष्पा साल 2021 की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्म साबित हुई थी।

मृणाल ठाकुर की फिल्म पूजा मेरी जान की रिलीज आगे खिसकी

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पूजा मेरी जान को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में हुमा कुरैशी और विजय राज भी नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान नवजोत गुलाटी ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब आपको फिल्म को देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। दरअसल, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को आगे खिसका दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा मेरी जानी नवंबर, 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में आएगी। निर्माताओं ने यह फैसला छावा की वजह से लिया है, जो 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है। दरअसल, विक्की कौशल की फिल्म की निर्माण भी विजान कर रहे हैं। विजान दोनों फिल्मों पर एक साथ ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने पूजा मेरी जानी की रिलीज को आगे खिसका दिया है।

पूजा मेरी जान की शूटिंग खत्म हो चुकी है। यह फिल्म अपने पोस्ट-प्रोडक्शन पर है।विक्रम सिंह चौहान, राजेश जैस, निखिल अंगरीश और चैतन्य व्यास जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। विजान इस फिल्म का निर्माण अम कौशिक, आनंद मिश्रा, संजीव मिश्रा और योगीराज शेट्टी के साथ मिलकर कर रहे हैं। बता दें मृणाल को आखिरी बार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म फैमिली स्टार में देखा गया था। यह फिल्म जियो सिनेमा पर उपलब्ध है।

'गोपी बहू' देवोलीना भट्टाचार्जी ने करवाया मैटरनिटी फोटोशूट

'गोपी बहू' देवोलीना भट्टाचार्जी शादी के बाद पहली बार मां बनने जा रही हैं, और काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने हाल ही मैटरनिटी फोटोशूट करवाया। देवोलीना तस्वीरों में बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए पति शहनवाज संग रोमांटिक होती नजर आ रही हैं।

टीवी की 'गोपी बहू' देवोलीना भट्टाचार्जी जल्द ही मां बनने वाली हैं। वह अपने इस प्रेग्नेंसी फेज को खूब इंजॉय कर रही हैं। देवोलीना ने हाल ही मैटरनिटी फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में देवोलीना बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो और पहली बार मां बनने की खुशी की चमक खूब झलक रही है।

देवोलीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मैटरनिटी फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें वह किसी तस्वीर में पति शहनवाज संग रोमांटिक होती नजर आ रही हैं, तो किसी में बेबी बंप को सहला रही हैं। तस्वीर में उनका प्यारा डॉगी एंजल भी है। तस्वीरें शेयर कर देवोलीना ने लिखा है, 'पैरेंट्स के रूप में हमारी एडवेंचर भरी जर्नी जल्द शुरू होने वाली है और मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं।'

फैंस ने उड़ेला प्यार, किए दिल छू लेने वाले कमेंट्स

इन तस्वीरों पर प्यार लुटाते हुए फैंस ने दिल छू लेने वाले कमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है, 'किसी की नजर ना लगे। बहुत खूबसूरत।' एक और कमेंट है, 'बहुत सुंदर लग रही हो देवोलीना।' फैंस के अलावा कपल के दोस्तों ने भी उन्हें बधाई दी है और प्यार उड़ेला है।

जुकाम होने पर आपको भी नहीं देता सुनाई मतलब बीमारी की चपेट में हैं आप

सुनना एक ऐसा कौशल है जिसे हममें से ज़्यादातर लोग हल्के में लेते हैं। लेकिन शोध बताते हैं कि वयस्कों को अपनी सुनने की क्षमता में होने वाले बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि सुनने की समस्याएं बड़ी उम्र में डिमेंशिया विकसित होने से जुड़ी हो सकती हैं। 60 साल से अधिक उम्र के 80,000 से अधिक वयस्कों पर साल 2021 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि शोरगुल वाले वातावरण में भाषण सुनने में परेशानी वाले लोगों में डिमेंशिया का जोखिम अधिक था। जोकि मेमोरी लॉस और भाषा और अन्य सोच कौशल में कठिनाई की विशेषता वाली स्थितियों के लिए एक व्यापक शब्द है। लेकिन इसका एक सकारात्मक पहलू भी है।

अध्ययन ने इस बात के सबूत जोड़े है कि सुनने की समस्याएं न केवल डिमेंशिया का लक्षण हो सकती हैं, बल्कि वास्तव में डिमेंशिया का एक जोखिम कारक हो सकती हैं। जो किसी भी गिरावट के शुरू होने से पहले लोगों, उनके परिवारों या डॉक्टरों को इसके शुरू होने के बारे में सचेत कर सकती हैं। जुलाई 2021 में ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के महामारी विज्ञानी और अध्ययन लेखक थॉमस लिटिलजॉन्स ने कहा,श्रवण हानि और क्या इससे डिमेंशिया का जोखिम बढ़ सकता है, इस बारे में विशेष रुचि रही है। ये परिणाम बताते हैं कि शोर में भाषण सुनने की हानि डिमेंशिया की रोकथाम के लिए एक आशाजनक लक्ष्य हो सकती है।

डिमेंशिया के 9 प्रमुख कारण हो सकते हैं

2017 में, धूम्रपान और शारीरिक निष्क्रियता के साथ श्रवण हानि को डिमेंशिया के नौ प्रमुख, परिवर्तनीय जोखिम कारकों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। लैंसेट की उस ऐतिहासिक रिपोर्ट को 2020 में जल्द ही अपडेट कर दिया गया था। जिसमें तीन और जोखिम कारक शामिल किए गए, जिससे कुल जोखिम कारक 12 हो गए 2024 में, लैंसेट रिपोर्ट के तीसरे अपडेट में दो और जोड़े गए, जिससे कुल जोखिम कारक 14 हो गए।ये जोखिम कारक हमारी जीवनशैली और सामान्य स्वास्थ्य के ऐसे तत्व हैं जिन्हें सुधारा जा सकता है, और अगर ऐसा किया जाता है, तो यह हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और स्वास्थ्य स्थितियों की संभावना को कम कर सकता है।

इसकी जांच करने के लिए, इस अध्ययन के पीछे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक का सहारा लिया, जो एक शोध डेटाबेस है जो यूके की आबादी के एक बड़े हिस्से में आनुवंशिकी, पर्यावरणीय कारकों और स्वास्थ्य परिणामों के बीच संबंधों को जानने के लिए स्थापित किया गया है। 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के 82,000 से अधिक महिलाओं और पुरुषों के समूह के लिए मनोभ्रंश जोखिम का विश्लेषण किया गया, जो मनोभ्रंश से मुक्त थे और अध्ययन की शुरुआत में उनकी सुनने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया था।

मेमोरी लॉस इस स्थिति में 5 गुना बढ़ जाती है

लैंसेट की रिपोर्टों में यह अनुमान लगाया गया है कि मनोभ्रंश के जोखिम कारकों में, श्रवण हानि का बोझ सबसे अधिक हो सकता है - इस प्रकार कि मध्य आयु में श्रवण हानि से पीड़ित लोगों में मनोभ्रंश विकसित होने की संभावना पांच गुना अधिक होती है। प्रतिभागियों की वाणी-में-शोर सुनने की क्षमता का परीक्षण किया गया। जो शोर भरे वातावरण में भाषण के अंशों को पहचानने की क्षमता है - इस मामले में, सफेद पृष्ठभूमि शोर के विरुद्ध बोले गए अंकों को पहचानना।

लगभग 11 साल के बाद, स्वास्थ्य रिकॉर्ड के आधार पर 1,285 प्रतिभागियों में मनोभ्रंश विकसित हो गया था। जिन प्रतिभागियों की सुनने की क्षमता खराब थी, उनमें अच्छी सुनने की क्षमता वाले लोगों की तुलना में मनोभ्रंश विकसित होने का जोखिम लगभग दोगुना था। दिलचस्प बात यह है कि अध्ययन में शामिल लगभग आधे लोग जिनकी वाणी-में-शोर सुनने की क्षमता अपर्याप्त थी और लगभग 42 प्रतिशत जिन्होंने परीक्षण में खराब प्रदर्शन किया, उन्हें रिपोर्ट करने के लिए कहने पर सुनने में कोई कमी महसूस नहीं हुई।

शोधकर्ताओं ने यह भी विचार किया कि क्या लोगों की सुनने की क्षमता में कमी वास्तव में अन्य कारकों से जुड़ी हुई थी, जो मनोभ्रंश के जोखिम को प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं, जैसे कि सामाजिक अलगाव और अवसाद, जो दोनों ही तब हो सकते हैं जब लोगों को सुनने में परेशानी होती है।

सिर्फ मूड ही नहीं सुधारती आइसक्रीम, शरीर व दिमाग पर डालती है असर

आइसक्रीम का नाम सुनते किसी का भी खाने का मन कर जाए। भूख लगी हो या न लगी हो, आइसक्रीम खाने निकल पड़ते हैं। सर्दी, गर्मी, बरसात, आइसक्रीम हर सीजन में पसंद की जाती है। हालांकि, आम धारणा यह भी है कि यह सेहत के लिए ठीक नहीं होती है, क्योंकि इसमें शुगर, फ्लेवर, कलर जैसी चीजें मिलाई जाती है, जो कई बीमारियों का कारण बन सकती है। हालांकि, हाल ही की कुछ रिसर्च में ये बात पता चली कि आइसक्रीम का हमारी हेल्थ पर अच्छा असर डाल सकती है। द अटलांटिक मैग्जीन ने द आइसक्रीम कॉन्सिपरेसी में बताया कि सालों खाने से कई बीमारियां दूर हो सकती है। यह सिर्फ मूड ही नहीं सुधारती, बल्कि शरीर और दिमाग पर भी खास असर डालती है।

आइस्क्रीम के फायदे

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करती है

एक कप आइसक्रीम ही मिजाज बदल सकती है। जब भी अच्छा फील न हो, स्ट्रेस समझ आए तो आइस्क्रीम खा सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आइसक्रीम नेचुरल कूलिंग एजेंट की तरह होता है, जो पेन रिलीफ और स्ट्रेस को दूर करने का काम करता है। इसके साथ ही दूध में ट्रिप्टोफन होता है जो कि ब्रेन में हैप्पी हॉर्मोन सेरोटोनिन रिलीज कर अच्छा बनाता है।

दिमाग को रखे दुरुस्त

लंदन के इंस्टीट्यूट ऑफ साइक्रियाट्री की 2021 की रिसर्च में पाया गया कि आइसक्रीम (ङ्घष्द्ग ष्टह्म्द्गड्डद्व) खाने के बाद दिमाग एक्टिव हो जाता है

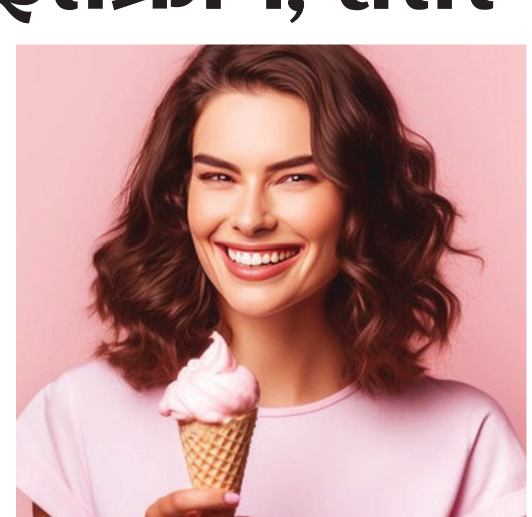

और प्रतिक्रिया देने लगता है। आइसक्रीम खाने से दिमाग का ऑर्बिटोफ्रंटल कॉर्टेक्स तेज हो जाता है, जो निर्णय लेने का काम करता है। मतलब आइस्क्रीम मूड को सुधारती है। आइसक्रीम में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम हमारे शरीर में तनाव को कम करने में मदद करते हैं। इससे हमारी नींद भी अच्छी होती है।

दिल की बीमारियों का रिस्क कम करे

आइसक्रीम खाने से हार्ट प्राब्लम्स का रिस्क घटता है। डेयरी प्रोडक्ट से बनी आइसक्रीम में मिल्क और फैट होने से एक खास तरह की झिल्ली बन जाती है, जो ब्लड में शुगर के जाने रफ्तार कम करती है। रिसर्च बताता है कि आइसक्रीम की ग्लाइसेमिक इंडेक्स वैल्यू कम होती है, मतलब यह शुगर के रिलीज को कंट्रोल करती है, इसलिए दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

हड्डियों को मजबूत बनाती है

आइसक्रीम में कैल्शियम की अधिक मात्रा होती है, जो हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करती है। इससे हमारे शरीर की हड्डियों की सेहत अच्छी रहती है। आइस्क्रीम कई बीमारियों का खतरा कम कर सकता है।

पाचन तंत्र को सुधारती है

आइसक्रीम में मौजूद प्रोबायोटिक्स हमारे पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करते हैं। इससे हमारा पेट स्वस्थ रहता है। हालांकि, कुछ कंडीशन में आइस्क्रीम खाने से बचना भी चाहिए, क्योंकि फायदों के साथ कई बीमारियों में इसे खाने से नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

मंत्री देवांगन ने 441.07 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग, एवं श्रम मंत्री एवं कोण्डागांव जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोण्डागांव प्रवास के दौरान जिला खनिज न्यास निधि अंतर्गत जिले में लगभग 441.07 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें कोण्डागांव व केशकाल विधानसभा अंतर्गत माध्यमिक शाला निर्माण, जर्जर एवं भवन विहीन प्राथमिक शाला भवन का जीर्णोद्धार, आंगनबाड़ी भवन निर्माण सहित विभिन्न कार्यों के कुल 181.38 लाख रूपए, केशकाल विधानसभा अंतर्गत उद्यानिकी रोपणी नर्सरी में आहता निर्माण एवं रनिंग मीटर में चैनलिंक फेसिंग कार्य सहित कुल 124.42 लाख रूपए और ईको पर्यटन केन्द्र टाटामारी में विभिन्न निर्माण कार्यों के कुल 96.32 लाख रूपए शामिल है। इसी प्रकार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधानसभा कोण्डागांव हेतु 22 विकास कार्यों के कुल 38.95 लाख रूपए सहित कुल 441.07 लाख रूपए के कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

बस्तर ओलंपिक रथ को दिखाई हरी झंडी: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बस्तर क्षेत्र के युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने और संवारने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ किया गया है। बस्तर ओलंपिक के बारे में जिले के विभिन्न क्षेत्र के लोगों को जानकारी देने और अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंत्री लखन देवांगन ने बस्तर ओलंपिक रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती भगवती पटेल, जनपद पंचायत कोण्डागांव के अध्यक्ष शिवलाल मंडावी, दीपेश अरोरा, मनोज जैन, सोनामनी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों सहित एडीएम चित्रकांत चाली ठाकुर सहित बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही और आवास मित्र उपस्थित थे।

पक्का मकान का सपना पूरा करने पीएम मोदी संकल्पित: प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत कोण्डागांव के ऑडिटोरियम में आयोजित एक दिवसीय आवास मेला में मंत्री श्री देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र एवं आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किया।

आवास मेला के शुभारंभ से पहले मंत्री श्री देवांगन ने जिले में लगभग 04 करोड़ रूपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि विकास के साथ हर गरीब का पक्का मकान हो, हर घर में शौचालय हो, हर घर में शुद्ध पेयजल हो और रसोई धुंआमुक्त हो, इसी सोच के साथ कार्य करते हुए उन्होंने कई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जरूरतमंदों के पक्का मकान के सपने को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उनके नेतृत्व में हमारा देश हर क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि आवास योजना के हितग्राहियों के साथ धोखाधड़ी न हो, इसलिए प्रधानमंत्री द्वारा सीधे उनके खाते में किश्त की राशि भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी सबसे पहले राज्य के गरीबों के हित में निर्णय लेते हुए 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी। मंत्री श्री देवांगन ने आवास का सपना पूरा होने पर सभी हितग्राहियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मातलाम एवं नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी ने भी सम्बोधित किया।

लोगों को प्राथमिकता से शासकीय योजनाओं का दिलाएं लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागों में लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए तेजी से निराकृत करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सुझाव भी दिये। उन्होंने कहा कि लोगों को गंभीरतापूर्वक शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाएं।

लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करें। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि लोगों को आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि एवं पीएम जनमन योजना के तहत विभिन्न सुविधाओं से लाभान्वित किया जाये। साथ ही योजनाओं को शत प्रतिशत सेचुरेशन भी किया जाये। बैठक में कलेक्टर ने पीएम श्री स्कूल एवं गौरव गरियाबंद अभियान की जानकारी लेकर बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के लिए गंभीरतापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में सम्पूर्णता अभियान, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियुक्ति, अनुकम्पा नियुक्ति, अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी- कर्मचारी पर कार्यवाही एवं कार्यालयों में प्रतिदिन समय पर उपस्थिति के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में डीएफओ लक्ष्मण सिंह, जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय सहित एसडीएम, जनपद सीईओ एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। समय - सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र एवं शासकीय राशन दुकानों के निरीक्षण के लिए पंचायतवार नियुक्त नोडल अधिकारियों को माह के द्वितीय शनिवार को ग्राम पंचायतो का निरीक्षण करने के निर्देश दिये। साथ ही निरीक्षण का पालन प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने आवारा मवेशियों के नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने, मौसमी बीमारियों के रोकथाम के उपायों की चर्चा, राशन कार्ड ई-केवाईसी, जल जीवन मिशन, वजन त्यौहार, पोषण माह एवं धान खरीदी केन्द्रों के नवीन प्रस्तावों पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की। कलेक्टर ने डेंगू रोग के रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में चर्चा कर स्वास्थ्य अमले को आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी लेकर निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करवाने के भी निर्देश दिये।

तितलियों को करीब से जानने-समझने का बेहतर मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन विभाग एवं बारनवापारा अभ्यारण्य के संयुक्त तत्वाधान में 21 से 23 अक्टूबर को अभ्यारण्य में बटरफ्लाई मीट का आयोजन किया जाएगा। जिसके माध्यम को प्रकृति प्रेमियों को तितलियों को करीब से जानने और पहचानने का मौका मिलेगा। साथ ही विषय विशेषज्ञों द्वारा तितलियों के पर्यावास एवं उनके महत्व के संबध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रतिभागियों के साथ साझा की जाएंगी। उक्त आयोजन की तीसरी कड़ी है।

इसके पूर्व 2022 एवं 2023 में यह आयोजन किया गया था। विभाग द्वारा बटरफ्लाई मीट की तैयारी पूरी कर ली गई है। आयोजन में भाग लेने एवं जानकारी प्राप्त करने के लिए क्यू आर कोड भी जनरेट किया गया है जिसके माध्यम से आसानी से पंजीयन कराया जा सकता है। मीट में प्रतिभागी स्टूडेंट के 15 सौ रूपए एवं अन्य व्यक्तियों के लिए 2 हजार रूपए पंजीयन शुल्क रखा गया है। इसके साथ ही भाग लेने के लिए 18 वर्ष से 60 वर्ष की आयु निर्धारित की गई है।

गौरतलब है कि बारनवापारा अभ्यारण्य में 150 प्रजाति के तितली एवं मोथ पाई जाती हैं। जिसमें से वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की शेड्यूल वन की क्रिमसन रोज (पैचीलौप्टा हेक्टर) डनाइड इगली (हाइपो सिलिमस मिसीपस) शेड्यूल दो की सिपोरा निरिसा,होगारा एनेक्स, यूक्रीशॉप्स सीनेजस, जेनेलिया लेपीडिया रपेला वरुणा,लैंपिडर्स बोइहन, तजुना शिप्स आदि पाई जाती है। शेड्यूल छह के भी बहुत से प्रजातियां पाई जाती हैं। विगत तीन वर्षों से बारनवापारा अभ्यारण्य में 14-16 हाथियों का दल निवास कर रहा है। साथ ही साथ विगत 8 माह से एक बाघ लगातार अभ्यारण्य में विचरण कर रहा है। बारनवापारा नाम बार और नवापारा गाँव से मिलकर बना है। बारनवापारा अभ्यारण्य अपनी स्थापना के बाद से ही देश के हर हिस्से से पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार भाटापारा जिले में स्थित है। अभ्यारण्य का कुल क्षेत्रफल 244.66 वर्ग किमी है। अभ्यारण्य की स्थलाकृति समतल और लहरदार इलाका है। ऊँचाई 640 मीटर समुद्र तल तक है। बालमदेही, जोंक और महानदी नदियाँ अभयारण्य की जीवन रेखा हैं जो अभ्यारण्य की जल कमी को पूरा करने के लिए अभयारण्य के साथ बहती हैं। वार्षिक वर्षा 1200 मिमी है। इस अभ्यारण्य में सागौन, साल और मिश्रित वन की मुख्य वनस्पति है। पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए इसमें शिकार और शिकारियों का अच्छा घनत्व है। अभ्यारण्य के अंदर स्थित बलार जलाशय में कई आर्द्रभूमि पक्षी और मछलियाँ पाई जाती हैं। यह अभ्यारण्य लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए इकोटूरिज्म को बढ़ावा देता है।

बारनवापारा तक पहुँचने के लिए रायपुर से सड़क मार्ग से दो घंटे का सफर करना पड़ता है। यह रायपुर से एनएच 53 पर 78वें किलोमीटर पर 106 किलोमीटर दूर है। पटेवा एक छोटा शहर है जहाँ बारनवापारा से 28 किलोमीटर की दूरी पर मौसम अनुकूल सड़क पर गाड़ी चलाकर पहुँचा जा सकता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से धरमीन बाई हुई लाभान्वित

पक्के मकान में परिवार सहित खुशी-खुशी बीता रही जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जीवन में हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसका खुद का पक्का मकान हो, जिसमें वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जिंदगी बिता सके। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ऐसे ही लोगों का सपना साकार करने लागू किया है प्रधानमंत्री आवास योजना। इस योजना के तहत लाभ लेने वाली जिले के मगरलोड विकासखण्ड के ग्राम बेंद्राचुवा निवासी धरमीन बाई कमार बताती हैं कि उन्हें ग्राम पंचायत से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण - पी.व्ही.टी.जी के तहत पक्का आवास मिलने की जानकारी हुई। उन्हें कुछ दिनों के बाद आवास स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2 लाख 21 हजार 870 रुपए की प्राप्त अनुदान राशि से अपने आवास का निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जिसके लिए उन्हें तीन किस्तों में आवास की दो लाख रुपए व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से नियोजित श्रमिक के मजदूरी भुगतान के लिये 21 हजार 870 रुपए की धनराशि उन्हें बैंक खाते के माध्यम से मिली। इस तरह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत धरमीन बाई को 90 दिनों का काम भी मिला। शासन से मिली राशि और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से हुई आय से उन्होंने अपना घर बनवाया। अब उनका सर्व सुविधायुक्त आवास बनकर तैयार हुआ। जिसमें बिजली फिटिंग कार्य, नल कनेक्शन का कार्य किया गया जिससे वह और उनका परिवार आवास में खुशहाली से जीवन की गाड़ी को चला रहे हैं। योजना के अभिसरण से मिलने वाली स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय, मनरेगा के तहत 90 दिवस का रोजगार, राशन कार्ड से अनाज का लाभ भी मिला। शासन से संचालित योजनाओं का लाभ मिलने से धरमीन का परिवार अपने बच्चों के साथ हंसती खेलती जिंदगी बिता रहे है। धरमीन कहती है कि वो शासन के आभारी हैं जिन्होंने गरीबों को उनके सपने को पूरा करने का अवसर दिया। अब उन्हें बरसात में पानी टपकने और कीड़े-मकौड़े की चिंता नहीं है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकरी सु रोमा वास्तव ने बताया कि अब तक जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण - पी.व्ही.टी.जी के 1263 हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है।

जिले के 110 विद्यालयों एवं 30 संकुलों का किया गया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल निर्देशानुसार विद्यालयों में एक साथ मॉनिटरिंग करने के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर गठित टीम द्वारा जिले के 110 विद्यालयों एवं 30 संकुलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तत्काल जीवो टैग मैप के माध्यम से व्हॉट्सएप्प उपलब्ध कराया गया। गूगल शीट पर शिक्षकों की उपस्थिति एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण में सभी स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन विधिवत संपन्न करने एवं विद्यालयों में शिक्षकों को समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास बघेल ने शासकीय हाई स्कूल आलीवारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिक्षक मौसमी सांकरे की विद्यालय में नियमित उपस्थिति संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुसरा के निरीक्षण के दौरान शिक्षक संजय ठाकरे, शिक्षक रोमा साहू व्याख्याता सुचिता मिश्रा अनुपस्थिता पाये गये, जिन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आतरगांव छुरिया के निरीक्षण के दौरान व्याख्याता एलबी सीके साहू, व्याख्याता एलबी किरण साहू, सहायक ग्रेड 3 टिकेश्वर कुमार लहरे अनुपस्थित पाये गये, जिन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

इसी तरह जिला एवं विकासखंड स्तर पर निरीक्षण में कुल 20 शिक्षक एवं एक सहायक ग्रेड-3 अनुपस्थित पाये गये, जिन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया और विलंब से विद्यालय आने वाले शिक्षकों को भविष्य में विलंब से शाला नहीं आने के संबंध में कड़ी चेतावनी दी गई। जिन विद्यालयों के शिक्षकों को चेतावनी दी गई उनमें व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलगोंदी रामजी लाल चन्द्रवंशी,शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्वनाथ कम्पैला, शासकीय प्राथमिक शाला उसरी बोड़ के भगवती प्रसाद बघेल शामिल हैं।

अब्दुल कलाम का जीवन सभी के लिए प्रेरणा : पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सभी भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्थायी स्रोत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका विजन और चिंतन विकसित भारत के संकल्प सिद्धि में देश के बहुत काम आने वाला है।

एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने एपीजे अब्दुल कलाम के साथ ली गई अपनी विभिन्न तस्वीरों वाला एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए डॉ. कलाम की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब्दुल कलाम में सहजता और सरलता स्वाभाविक रूप से थी। इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, एक वह जो अवसरों की तलाश करते हैं और दूसरे वह जो चुनौतियों की तलाश करते हैं। अब्दुल कलाम हमेशा चुनौतियों की तलाश में रहते थे। पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि किस तरह यह विशेषता कलाम के जीवन को परिभाषित करती है। डॉ. कलाम की अद्वितीय उपलब्धियों पर टिप्पणी करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह बहुत दुर्लभ बात है कि कोई व्यक्ति राष्ट्रपति बनने से पहले ही राष्ट्र रत्न बन जाए। यह सम्मान अब्दुल कलाम के असाधारण जीवन और उपलब्धियों के बारे में बहुत कुछ कहता है। अपने एक संस्मरण को साझा करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जब डॉ. कलाम से पूछा गया कि वह कैसे याद किए जाना चाहेंगे। उन्होंने सरलता से जवाब दिया था, 'मुझे एक शिक्षक के रूप में याद किया जाना पसंद है।' पीएम मोदी ने कहा कि कलाम का यह उत्तर न केवल उनके शिक्षकों के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, बल्कि उनके अडिग विश्वास और जीवनभर की प्रतिबद्धताओं को भी उजागर करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. कलाम द्वारा दिए गए मूल्यों को बनाए रखने के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए अंत में कहा, अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से हम उनकी शिक्षाओं द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। यह उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वे एक आदर्श और दूरदर्शी व्यक्ति थे, जो अपने समर्पण, नवाचार और देशभक्ति के लिए जाने जाते थे। उन्होंने आगे कहा कि कलाम ने भारत को एक विकसित, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर देश के रूप में देखा। भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

पैरा आर्ट्स बनेगी महिलाओं के लिए आजीविका का नया साधन

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले की महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने एवं उन्हें आत्म निर्भर बनाने विभिन्न विभागीय गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नवाचार करते हुए महिलाओं को पैरा आर्ट्स के तहत पैरा से विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां बनाने की ट्रेंनिंग दी जा रही है। महिलाएं पैरा का उपयोग करके प्राकृतिक दृश्य, पशु-पक्षी, फूल, पौधे, वाद्य यंत्र एवं धार्मिक संरचनाओं का भी निर्माण कर रही है। महिलाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अंतर्गत पैरा आर्ट्स प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं को सहेली सोशल वेलफेयर फाउंडेशन स्व सहायता समूह नवागढ़ जिला बेमेतरा के विशेष सहयोग से पैरा से विभिन्न कलाकृतियां बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। पैरा से बनने वाले कलाकृतियों की बाजार में खूब डिमांड है। पैरा आर्ट्स के तहत कलाकृति बनाने का खर्च बहुत कम होता है। एक बार पूर्ण हो जाने के पश्चात कलाकृति ऊंचे दामों में बिक्री होती है। वर्तमान में जिले की 27 महिलाओं को पैरा आर्ट्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें गरियाबंद के सांई मंदिर प्रांगण में प्रशिक्षण देकर आजीविका के नये साधन विकसित करने के गुर सिखाये जा रहे हैं। पैरा आर्ट्स के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर जिले की महिलाएं विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों का निर्माण का स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेंगी।

खास खबर

दिवाली से पहले प्रमोशन का तोहफा : दुर्ग, बालोद-बेमेतरा के 46 प्र. आरक्षकों का हुआ प्रमोशन

भिलाई। दुर्ग रेंज के अंतर्गत पुलिसकर्मियों के लिए दिवाली से पहले एक बड़ी खुशखबरी आई है। दुर्ग जिले के 37, बालोद जिले के 6 और बेमेतरा जिले के 3 प्रधान आरक्षकों को प्रमोशन देकर सहायक उप निरीक्षक बनाकर उनके सेवाकाल में नया मोड़ दिया गया है। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग द्वारा प्रधान आरक्षकों को सहायक उप निरीक्षक के पद पर प्रमोशन कर आदेश जारी किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग ने इन प्रमोशनों को स्वीकृति प्रदान करते हुए आदेश जारी किए। इस प्रमोशन प्रक्रिया के तहत दुर्ग जिले में 11, बालोद में 23 और बेमेतरा के 12 रिक्त पदों पर पुलिसकर्मियों की पोस्टिंग की गई है। जो कि पीपी कोर्स करने के उपरांत सहायक उप निरीक्षक के पद से पदोन्नति कर पदस्थ किया जाएंगे।

इस प्रमोशन से पुलिसकर्मियों के मनोबल में वृद्धि होगी और उन्हें अपने कार्य को और अधिक उत्साह व समर्पण के साथ करने की प्रेरणा मिलेगी। पुलिस महानिरीक्षक श्री गर्ग ने सभी पदोन्नत सहायक उप निरीक्षकों को बधाई दी और उनसे आगामी चुनौतियों के प्रति तैयार रहने की अपेक्षा जताई। इस कदम से दुर्ग रेंज में पुलिस बल की क्षमता में सुधार होगा, जिससे नागरिकों की सुरक्षा और सेवाओं में और भी प्रभावी बदलाव देखने को मिलेगा।

वाहनों में आगजनी की वारदात में शामिल 2 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत भोपालपटनम थाना व छगबल कैम्प रामपुरम 15डी की संयुक्त टीम ने ग्राम

करकावाया, मेघापुर से सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहनों में आगजनी की घटना में शामिल दो नक्सलियों जिंतेंद्र सोढ़ी पिता मदनैया सोढ़ी उम्र 38 निवासी मेघापुर करकावाया व बेलादी रामचंद्रम पिता कन्हैया बेलादी उम्र 27 निवासी मेघापुर को सुरक्षाबल के जवानों ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 28 फरवरी 2023 को पोषणपल्ली व गोरगुंडा मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहनों में आगजनी की घटना में उक्त दोनों नक्सली शामिल थे। पकड़े गये नक्सलियों के विरुद्ध भोपालपटनम थाना में कार्रवाई के बाद आज न्यायिक रिमांड पर न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष पेश किया गया, जहां से आदेशानुसार जेल दाखिल कर दिया गया।

जब्त बाइक छुड़ाने पहुंचा युवक टीआई की कर दी पिटाई

जशपुर। जब्त बाइक को छुड़ाने शराब के नशे में थाने पहुंचे आरोपी ने अपनी पत्नी, बेटे और अन्य परिचितों के साथ मिलकर पुलिस निरीक्षक की पिटाई कर दी। मामले में पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने और मारपीट करने पर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं फरार दो आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, दुलदुला थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू 13 अक्टूबर की रात थाने में बैठे थे, इस दौरान जब्त बाइक को छुड़ाने के लिए थाने पहुंचे लुकस कुजूर पिता जोहन कुजूर शराब के नशे में अपने अन्य रिश्तेदारों के साथ टीआई से गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी. टीआई ने उन लोगों को समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद भी वे दुर्व्यवहार करते रहे। मामला बिगड़ता देख लुकस कुजूर के साथ उसकी पत्नी मुमताज कुजूर, बेटे शाहिल कुजूर के अलावा अरविंद मिंज पिता प्लासियुस मिंज, प्रवीण लकड़ा पिता इग्नासियुस लकड़ा, अनमोल टोप्पो पिता फबियानुस टोप्पो और मनीष तिर्की पिता सुनील तिर्की के खिलाफ बीएनएस की धारा 121(1), 221 और 224 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया. वहीं मौके से फरार दो लोगों की पतासाजी की जा रही है।

हेडकॉन्स्टेबल की पत्नी व बेटी की हत्या का आरोपी कुलदीप गिरफ्तार, बलरामपुर में पुलिस ने दबोचा

वारदात के बाद झारखंड भाग गया था, अन्य लोगों के भी शामिल होने की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्या के मुख्य आरोपी कुलदीप साहू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद के आरोपी झारखंड फरार हो गया था। मंगलवार को आरोपी कुलदीप साहू झारखंड से अंबिकापुर के लिए रवाना हुआ और बलरामपुर कोतवाली के सामने दबोचा गया।

बता दें रविवार आधीरात को सूरजपुर कोतवाली थाने में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी मेहू फैज और बेटी आलिया शेख की तलवार से काटकर हत्या कर दी गई। आधीरात को जब हेड़ कॉन्स्टेबल ड्यूटी से घर पर पहुंचा तो उसकी पत्नी व बेटी लापता थे और घर पर खून ही खून फैला हुआ था। तालिब शेख ने इसकी सूचना कोतवाली थाने में दी। सोमवार की सुबह 9 बजे तालिब शेख की पत्नी व बेटी के शव घर से पांच किमी दूर सड़क किनारे गड्ढे में मिले। सूचना के बाद पुलिस शवों को पीएम के लिए भेज दिया। पीएम के बाद शवों को अंमित संस्कार के लिए

मनेन्द्र गढ़ भेज दिया गया। वहीं इस हत्याकांड में पुलिस को शहर के निगरानी बदमाश कुलदीप साहू की तलाश थी। हत्या के बाद वह फरार हो गया था। यही नहीं उसके परिवार वाले भी घर छोड़कर भाग गए।

बताया जा रहा है कि वारदात के बाद झारखंड भाग गया था। बताया जा रहा है कि बलरामपुर पुलिस ने उसे वहीं ट्रेस किया। इसके बाद लगातार उसकी लोकेशन मॉनिटर कर रही थी। कुलदीप को पुलिस ने बलरामपुर कोतवाली के सामने बस रुकवा कर गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी कुलदीप के साथ इस वारदात में अन्य लोगों के भी शामिल होने की आशंका है। शक के आधार पर पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। कुलदीप की तलाश के लिए कई जिलों के अफसरों को सूरजपुर बुलाया गया। शहर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

आरोपी के घर व गोदाम को लोगों ने फूंका

हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी व बेटी की निर्ममता से हत्या के बाद सूरजपुर में बवाल हो गया है। यहां लोगों में काफी आक्रोश है। घटना के विरोध में आक्रोशित लोगों ने हत्याकांड के लिए जिम्मेदार निगरानी बदमाश कुलदीप साहू के घर और गोदाम के बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। भीड़ ने SDM जगन्नाथ वर्मा से भी मारपीट की। SDM साहब पुलिसवाले के साथ भीड़ से बचकर भाग निकले। लोगों ने शहर बंद कराकर सूरजपुर थाने का घेराव किया। तनाव की स्थिति को देखते हुए शहर में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। लोग लगातार आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। लोग कुलदीप साहू से संबंधित पोस्ट भी डाल रहे हैं जिसमें वह पुलिस को चुनौती देते पोस्ट किए हैं।

मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर मंगलवार को इंडिगो फ्लाईट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बताया जाता है कि उड़ान भरने के 12 मिनट बाद ही फ्लाईट के विंडशील्ड में दरार आ गई जिसके चलते तत्काल फ्लाईट को वापस उतार लिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोपहर एक बजकर 12 मिनट पर इंडिगो की फ्लाइट ने जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट से रायपुर

के लिए उड़ान भरी थी। फ्लाईट को अभी हवा में 12 मिनट ही हुए थे कि फ्लाईट की विंडशील्ड में दरार देखी गई। और आपात स्थिति में फ्लाइट को सुरक्षित वापस उतार लिया गया। बताया जाता है कि जैसे ही फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई वैसे ही विंडशील्ड टूट गया। बताया जाता है कि फ्लाइट में 70 यात्री सवार थे और सभी सुरक्षित है।

रिहाईशी इलाके में पहुंचा भालू, लोगों में दहशत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिला मुख्यालय के शहरी इलाकों में वन्य प्राणी भालुओं का रिहाईशी इलाकों में विचरण करने से स्थानीय निवासियों में दहशत व्यप्त है। हाल ही में दो भालू कांकेर के एक व्यापारी के घर की पार्किंग में नजर आए। यह घटना पार्किंग एरिया में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है पार्किंग एरिया में दो भालू घूमते हुए दिख रहे हैं, और लिफ्ट में भी घुसने की कोशिश करते हैं। इसी बीच एक युवक स्कूटी से पार्किंग की ओर आता है और मोबाइल पर बात करता रहता है। भालू भी वहीं घूमते रहते हैं, वीडियो में देख ऐसा लग रहा है की भालू युवक को देख लुका छुपी खेल रहे हो। हालांकि युवक को पास में भालू के मौजूद होने की भनक नहीं लगती है, तभी दूसरा युवक

स्कूटी से आता है और वह जैसे ही भालू को देखा है तो वहीं गाड़ी छोड़कर तेजी भाग जाता है, उसे देखकर वहां मौजूद दूसरा युवक भी जान बचाकर भागता है। भालू भोजन-पानी की तलाश में रोजाना आबादी वाले इलाके में पहुंच रहे हैं, इस तरह की घटना से वन विभाग की ओर से सुरक्षा के तमाम दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

गेवरा खदान में लोहे की प्लेट गिरने से ठेका मजदूर की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

■15 दिन के भीतर चौथी घटना, मामले में पुलिस ने शुरू की जांच

कोरबा। गेवरा परियोजना में लोहे की प्लेट गिरने से एक ठेका मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने साइलो को बंद करा दिया और प्रदर्शन करने लगे। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस स्थल पर पहुंच समझाइश दी। साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा परियोजना में पुनः दुर्घटना हो गई। परियोजना में कोयला लदाने के लिए बनाए गए साइलो के पास शूट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। उक्त कार्य सुरभि ठेका कंपनी कर रही है। कंपनी के अधीन ग्राम नेवसा निवासी वीरेंद्र कुमार पटेल 32 वर्ष कार्यरत है। बताया जा रहा है कि काम के दौरान ऊंचाई से एक लोहे की प्लेट गिर गई। इससे वहां कार्यरत वीरेन्द्र उसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फ ानन में उसे उपचार के लिए नेहरू शताब्दी चिकित्सालय (एनसीएच) में दाखिल कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया।

कोरबा अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ स्थल पर लग गई। नाराज लोगों ने साइलो से कोयला लदान बंद करा दिया और प्रदर्शन करने लगे। इसे एनटीपीसी व अन्य प्रदेश में मालगाड़ी के माध्यम से होने वाली कोयला आपूर्ति रूक गई। ग्रामीण मृतक के स्वजनों को मुआवजा प्रदान करने की मांग करने लगे। जानकारी मिलते ही ठेका कंपनी, एसईसीएल के अधिकारी के साथ ही पुलिस स्थल पर पहुंची और समझाइश देने का प्रयास किया गया, पर ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कोयला लदान नहीं होने की वजह से रेलवे व एनटीपीसी की मालगाड़ी भी खड़ी हो गई है। घटना की जानकारी मिलने पर कटघोरा के विधायक प्रेम पटेल मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से बात की।

पुलिस अधिकारी के खिलाफ अपराध दर्ज

बलौदाबाजार (ए.)। छत्तीसगढ़ के सिटी कोतवाली थाना बलौदाबाजार क्षेत्र में 6 माह पूर्व हुए एक बहु चर्चित सेक्स स्कैंडल मामले में पुलिस विभाग के निरीक्षक स्तर के अधिकारी की संलिप्तता उजागर हुई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार सिटी कोतवाली में तात्कालिक पदस्थ थाना प्रभारी अमित तिवारी के खिलाफ सिटी कोतवाली थाने में अपराध दर्ज किया गया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ एवं जांच के बाद निरीक्षक अमित तिवारी के खिलाफ ब्लैकमेलिंग एवं अवैध पैसे वसूली के मामले में अपराध क्रमांक 260/2024 में जांच के बाद मामला दर्ज किया गया है। अमित तिवारी के ऊपर 15 लाख के लेन देन में हिस्सेदारी का बड़ा आरोप लगा है।

पूरा मामला बलौदाबाजार से बहुचर्चित हनी ट्रेप, ब्लैकमेलिंग, एवं सेक्स स्कैंडल से जुड़ा हुआ है। जांच में अब इसके तार पुलिस अधिकारी के ऊपर भी जुड़ चुके हैं। अपराध दर्ज होने के बाद निरीक्षक अमित तिवारी ने बलौदाबाजार सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी जिसे मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया। न्यायाधीश का कहना है कि मामला संजीदा है और पैसे लेने की हिस्सेदारी में अधिकारी का भी नाम इसमें शामिल है इसलिए यह जमानत याचिका खारिज की जाती है। अब इस मामले में कभी भी निरीक्षक अमित तिवारी की गिरफ्तारी बलौदाबाजार पुलिस कर सकती हैं।

एसपी के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी, पकड़ाए दो शातिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले में एसपी के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी बनाने का मामला सामने आया है। मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त टीम ने तत्परता दिखाते हुए इस मामले में दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस ने हरियाणा के नूंह जिले से गिरफ्तार किया है।

दरअसल 7 अक्टूबर 2024 को प्रार्थी प्रकाश नारायण सिंह ने थाना कोण्डागांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसे आईपीएस अक्षय कुमार नाम से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। जिसे उसने स्वीकार किया। इसके बाद फेसबुक आईडी से आईपीएस अक्षय कुमार ने अशोक कुमार नामक एक व्यक्ति का स्थानांतरण होने की बात कहकर उसका सामान बेचने का झांसा दिया। झांसे में आकर प्रार्थी ने पैसे जमा कर दिए।

इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक ने तुरंत एक टीम गठित कर सायबर सेल की मदद से आरोपियों का पता लगाया। लगातार तीन दिन तक हरियाणा के नूंह जिले में आरोपी की लोकेशन ट्रैक करने के बाद, पुलिस ने ग्राम देवला नगली से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से वो मोबाइल बरामद किया गया, जिससे फर्जी फेसबुक आईडी बनाई गई थी।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अरमान खान (20 वर्ष) और मोहम्मद सादिक (19 वर्ष) शामिल हैं, जो दोनों हरियाणा के नूंह जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के साथ ही साइबर ठगी के इस मामले का खुलासा किया।

पिकनिक स्थल में डूबे युवक का मिला शव मिला

कोरबा। कोरबा जिले के बालको क्षेत्र अंतर्गत फूटहामुड़ा पिकनिक स्थल में पिकनिक मनाने गए वाटरफॉल में लापता युवक की लाश बरामद कर ली गई है। मौके पर पहुंची बालको पुलिस पंचनामा की कार्यवाही में जुट गई। जानकारी के अनुसार बालकोनगर थाना अंतर्गत फूटहामुड़ा पिकनिक स्थल पर पाड़ीमार-बालको निवासी हरीश बरगे (27) अपने मित्रो के साथ पिकनिक मनाने पहुंचा था। यहां वे वाटरफॉल में नहाने उतर गए। इस दौरान हरीश बरगे पानी में डूबने लगा। मित्रो ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। हरीश पानी में डूबकर लापता हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। लेकिन अंधेरा हो जाने एवं पानी की गहराई अधिक होने के कारण युवक का कुछ पता नहीं चल सका। दूसरे दिन पुनः युवक की तलाश शुरु की गई, तब लापता युवक का शव मिलने पर उसे पानी के भीतर से बाहर निकाला गया।

बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में मुख्यमंत्री ने की शिरकत, कहा- हमारी समृद्ध संस्कृति का प्रतीक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व हमारी आस्था और परम्परा का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है, जो सर्वाधिक लम्बी अवधि तक मनाया जाता है। बस्तर दशहरा पर्व को बस्तर अंचल के सभी लोग पूरी श्रद्धा-आस्था के साथ मनाते हैं और इसमें सक्रिय सहभागिता निभाते हैं। वहीं ऐतिहासिक बस्तर दशहरा अब देश-दुनिया के लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हो गया है, जिससे अब पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के साथ ही स्थानीय लोगों की आय को संबल मिला है। मां दंतेश्वरी के आशीर्वाद से बस्तरवासियों की अगाध श्रद्धा और सभी लोगों के सहयोग से इस वर्ष भी बस्तर दशहरा का भव्य एवं सफल आयोजन हुआ है।

मुख्यमंत्री ने उक्ताशय के उद्गार आज जगदलपुर के सिरहासार भवन में विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर आयोजित मुरिया दरबार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने इस अवसर पर माडिया सराय में विकास कार्य के लिए 50 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मांझी-चालकी और मेम्बर-मेंबरीन के मानदेय में बढ़ोतरी हेतु जिला प्रशासन और बस्तर दशहरा समिति से प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर दशहरा पर्व के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में सम्मिलित होने पर खुशी व्यक्त की और कहा कि मुरिया दरबार का आयोजन सदियों से होता आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर दशहरा पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है जिसे हम सभी एकजुट होकर श्रद्धा और सहकार की भावना के साथ हर्षोल्लास मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने करीब 3 करोड़ रुपए की लागत से विकसित दशराहा पसरा को बस्तर दशहरा पर्व में आए मांझी-चालकी तथा अन्य लोगों को सुविधा मुहैया करवाने की दिशा में सार्थक प्रयास बताया और कहा कि बस्तर दशहरा पर्व के लिए निर्धारित बजट को 50 लाख रुपए कर दिया गया है। उन्होंने मुरिया दरबार में मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन और बस्तर दशहरा समिति के पदाधिकारियों की मांग एवं समस्याओं को निराकृत किए जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने बस्तर दशहरा पर्व में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने मुरिया दरबार में बस्तर विकास प्राधिकरण के पुरखती कागजात का अंग्रेजी संस्करण का विमोचन भी किया।

बस्तर दशहरा पर्व के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में बस्तर अंचल के मंत्री, सांसद एवं विधायकों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बस्तर राज परिवार के सदस्य एवं माटी पुजारी कमलचन्द्र भंजदेव, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष, बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से आये मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन सम्मिलित हुए। इस अवसर पर माटी पुजारी कमलचन्द्र भंजदेव ने बस्तर दशहरा पर्व के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देते हुए इसे सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण बताया। उन्होंने बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने के लिए आने वाले देवी-देवताओं हेतु देव सराय की व्यवस्था तथा मांझी-चालकी, पुजारी, गायता सहित ग्रामीणों के ठहरने के लिए बेहतर सुविधा को राज्य सरकार के पहल की सराहना की। मुरिया दरबार में वन मंत्री केदार कश्यप सहित सांसद बस्तर एवं अध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति महेश कश्यप और विधायक जगदलपुर किरणदेव ने बस्तरवासियों को बस्तर दशहरा पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष लक्ष्मण मांझी ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व सभी के सहयोग तथा व्यापक सहभागिता से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ है। आने वाले साल में इसे और अधिक बेहतर और भव्यता के साथ मनाएंगे। इस अवसर पर मांझी-चालकी और मेम्बर-मेम्बरीन को मोबाइल भेंट किया गया।

बस्तर दशहरा स्थल दसराहा पसरा में विकास कार्यों का मुख्यमंत्री साय ने किया लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान 2 करोड़ 99 लाख 78 हजार से अधिक की लागत के बस्तर दसराहा पसरा के विकास कार्य का लोकार्पण किया। यहां दंतेश्वरी मंदिर के समीप स्थित पुराने तहसील कार्यालय का जीर्णोद्धार कर बस्तर दशहरा के लिए समर्पित किया गया है। इसका नाम बस्तर दसराहा पसरा (बस्तर दशहरा हेतु स्थल) दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने पसरा में बस्तर दशहरा के विभिन्न रस्मों की फोटो प्रदर्शनी, प्रतीकात्मक रथ, देवी देवताओं के प्रतीकों का अवलोकन कर उनकी सराहना की। उन्होंने प्रतीकात्मक रथ के समीप फोटो भी खिंचवाई। दसराहा पसरा में 75 दिवसीय दशहरा उत्सव में होने वाले मुख्य विधि विधान जिनमें पाट जात्रा, डेरी गढ़ाई, काछन गादी, रैला देवी पूजा, जोगी बिठाई, रथ परिक्रमा, बेल पूजा, निशा जात्रा, मावली परघाव, भीतर रैनी-बाहर रैनी काछन

जात्रा, कुटुम्ब जात्रा एवं डोली विदाई की जीवन्त प्रतिकृति स्थापित कर जन सामान्य एवं पर्यटकों को सुलभ जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व छत्तीसगढ़ की अनूठी सांस्कृतिक विशेषतापूर्ण एवं बस्तर के जन-जातियों की आराध्य देवी दन्तेश्वरी तथा स्थानीय देवी-देवताओं की पूजा विधान के रूप में मनाया जाता है। तहसील कार्यालय में पहले से चली आ रही परंपरा अनुसार दशहरा पर्व में शामिल होने वाले क्षेत्र के सभी देवी देवता, आंगादेव, देवी की छत्र की उपस्थिति का दर्ज इसी स्थल पर किया जाता रहा है। इसलिए प्रशासन द्वारा तहसील कार्यालय को अन्य स्थल पर स्थांनातरित कर पुराने तहसील कार्यालय को दसराहा पसरा के लिए चिन्हांकित कर दिया गया है।

इस अवसर पर वनमंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, विधायक किरण देव, कोंडागाँव विधायक लता उसेंडी, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, महापौर सफिरा साहू, साथ ही पूर्व सांसद और विधायक, पार्षदगण एवं अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

मांझी-चालकी और बस्तर दशहरा पर्व के पारंपरिक सदस्यों के साथ किया भोजन

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान वर्ष 1921 में स्थापित आमचो बस्तर क्लब बस्तर दशहरा में संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से पहुँचे मांझी-चालकी, मेंबर-मेंबरिन और बस्तर दशहरा पर्व के पारंपरिक सदस्यों के साथ दोपहर का भोजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दशहरा समिति के उपाध्यक्ष लक्ष्मण माँझी से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने दोपहर के भोजन में बस्तर के पारंपरिक व्यंजनों के साथ सैगोड़ा, उड़द दाल बड़ा एवं बंगाला चटनी, मिक्स वेज पकोड़ा, चौलाई भाजी, करेला प्याज आलू बैंगन बड़ी, झूड़गा की सब्जी, रायता, पुड़ी, जीरा राइस, दाल तड़का का भी स्वाद लिया।

सीएम ने स्पीकर हाउस पहुंचकर डॉ. रमन को दी जन्मदिन की बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पीकर हाऊस राजनांदगांव पहुंचकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर डॉ. सिंह के स्वस्थ, सुदीर्घ और मंगलमय जीवन की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह को मंत्रीगणों, सांसद विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना की।

इस अवसर उप मुख्यमंत्री, गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री विजय शर्मा, आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, खेलकूद एवं युवा कल्याण राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री टंकराम वर्मा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यन्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल, वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन देवांगन, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भरतपुर-सोनहत श्रीमती रेणुका सिंह, आरंग विधायक गुरू खुशवंत साहेब, सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि प्रेमप्रकाश पाण्डेय, महेश गागड़ा, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी दीपक झा, कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

डचरोज की खेती से अब्राहम बने आत्मनिर्भर

उद्यानिकी फसल को बढ़ावा देने राज्य सरकार कर रही है निंरतर प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के उद्यानिकी विभाग उद्यानिकी फसल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए परंपरागत रूप से खेती-किसानी कर रहे किसानों को प्रशिक्षण और सहयोग भी प्रदान किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि उद्यानिकी मंत्री रामविचार नेताम ने कृषि विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में उद्यानिकी फसल को बढ़ावा देने तथा किसानों के लिए उद्यानिकी फसलों को लाभकारी बनाने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला प्रशासन के सहयोग से कमलाडांड़ के किसान एबी अब्राहम डचरोज (गुलाब) की खेती कर आत्मनिर्भर बन गए हैं। वहीं गांव के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत का काम कर रहे हैं। कमलाडांड़ के डचरोज सरगुजा सहित मध्यप्रदेश के सीमावर्ती शहरों के बाजारों में छत्तीसगढ़ की खुशबू बिखेर रही हैं।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के कमलाडांड़ में फूलों की खेती ने एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है। यहां के किसान एबी अब्राहम ने पारंपरिक खेती छोड़कर गुलाब की खेती में हाथ आजमाया और अब वह इस क्षेत्र में न केवल अपनी पहचान बना रहे हैं। गुलाब की खेती से जहां उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है, वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के इस छोटे से गांव के किसान जो पहले गेहूं, धान, और मक्का जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते थे, अब उद्यानिकी फसलों की ओर तेजी से रुझान दिखा रहे हैं। एबी अब्राहम इस बदलाव के मुख्य उदाहरण हैं, जिन्होंने एक एकड़ भूमि में डचरोज गुलाब की खेती शुरू की। फूलों की खेती न केवल उनकी उम्मीदों पर खरी उतरी, बल्कि इसके माध्यम से उन्हें उम्मीद से कहीं अधिक मुनाफा भी हुआ। अब उनके खेत में गुलाब की खुशबू फैली हुई है, जिसे वह आसपास के शहरों और कस्बों में बेच रहे हैं। एबी अब्राहम द्वारा उगाए गए गुलाब की मांग पूरे सरगुजा संभाग और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती शहरों में बढ़ रही है। मनेन्द्रगढ़ और आस-पास के बाजारों में भी उनकी आपूर्ति की जा रही है। फूलों की खेती से उन्हें मिलने वाला मुनाफा पारंपरिक फसलों की तुलना में कई गुना अधिक है। खास बात यह है कि फूलों की खेती में अधिक लागत की आवश्यकता नहीं होती, जिससे किसान अपनी आर्थिक स्थिति को तेजी से सुदृढ़ कर पा रहे हैं। गुलाब की खेती न केवल एबी अब्राहम के लिए लाभकारी साबित हो रही है, बल्कि इसने ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए हैं। फूलों की देखभाल, तुड़ाई, पैकिंग, और परिवहन से जुड़े कार्यों में कई स्थानीय लोगों को काम मिला है, जिससे आने वाले समय में इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं और अधिक बढ़ सकती हैं।

फूलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह से सक्रिय है। उद्यानिकी विभाग द्वारा समय-समय पर किसानों को तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे फूलों की खेती में आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर अधिक से अधिक लाभ कमा सके। एबी अब्राहम की मेहनत और प्रशासन के सहयोग से फूलों की खेती ने कमलाडांड़ में एक नई दिशा और गति प्राप्त की है। फूलों की खेती ने न केवल एबी अब्राहम को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है, बल्कि उन्हें समाज में एक नई पहचान भी दी है। अब वह स्थानीय स्तर पर एक सफल किसान के रूप में पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और सही दिशा में कदम बढ़ाकर अन्य किसानों को भी प्रेरित किया है। पारंपरिक फसलों से हटकर फूलों की खेती करना उनके लिए न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक रूप से भी एक महत्वपूर्ण बदलाव साबित हुआ है। एबी अब्राहम के खेतों में खिले गुलाबों की विभिन्न प्रजातियों से पूरा कमलाडांड़ क्षेत्र सुगंधित हो रहा है। गुलाब की खेती के कारण गांव का माहौल भी बदल रहा है। अब हर तरफ फूलों की खुशबू फैली हुई है, जिससे न केवल किसानों का जीवन बेहतर हो रहा है, बल्कि पर्यावरण में भी सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है। कमलाडाड़ के किसान एबी अब्राहम की फूलों की खेती की सफलता ने न केवल उनके जीवन को संवारा है, बल्कि इसने पूरे गांव में रोजगार और आत्मनिर्भरता का संदेश भी दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को 27 वें अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल होने का निमंत्रण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव को राजधानी रायपुर में 16 से 20 अक्टूबर तक आयोजित 27वें अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल होने का आमंत्रण मिला है। श्री साय से आज यहाँ उनके निवास कार्यालय में वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में वन विभाग के अधिकारियों ने भेंटकर उन्हें शुभारंभ कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी करना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। इस मौके पर अधिकारियों ने उन्हें स्पोर्ट्स किट भी भेंट किया।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, एडिशनल पीसीसीएफ सुनील मिश्रा, एडिशनल पीसीसीएफ अरूण पाण्डेय, एडिशनल पीसीसीएफ संजीता गुप्ता, मुख्य वन संरक्षक शालिनी रैना, सीसीएफ राजू अगासिमनी भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता की नोडल अधिकारी शालिनी रैना (मुख्य वन संरक्षक मानव संसाधन व आईटी) ने बताया कि यह एक वृहद व प्रतिष्ठित आयोजन है जो वनों की सुरक्षा व वन्य प्राणियों के संरक्षण को लेकर समर्पित है, जिसमें देशभर के अनेक प्रतिभागी शामिल होने वाले हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी के 27वें अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में देशभर से करीब 3 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950